संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

# शहर समता

वर्ष-20 अंक- 251
पृष्ठ 8
शुक्रवार
31 मई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

**विविध-** मॉर्निंग वॉक पर जाने के दौरान...

**विचार-** इंडिया की बैठक के प्रयोजन और निहितार्थ

**खेल-** पूर्व क्रिकेटर साइमन डुल का बड़ा ...

## भाजपा की जीत की लगेगी हैट्रिक : मोदी

होशियारपुर (पंजाब), एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोक सभा चुनाव में सत्तारुढ गबंधन की पुनरू जीत का विश्वास जताते हुए गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), संविधान और भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर तीखा प्रहार किया । श्री मोदी ने कहा कि जिन लोगों ने आपातकाल में संविधान का गला घोटा था और जिन लोगों ने 1984 में सिख विरोधी दंगे कराए थे, वे आज संविधान की रक्षा की रट लगा रहे हैं । प्रधानमंत्री यहां भाजपा द्वारा आयोजित चुनाव रैली 'फतह' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दावा किया लोक सभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत की हैट्रिक (लगातार तीसरी जीत) लगने जा रही है। श्री मोदी ने कहा, "आज देश में आकांक्षाएं नई हैं, आज देश में उम्मीदें नई हैं, आज देश में आत्मविश्वास नया है। दशकों बाद ऐसा समय आया है, पूर्ण बहुमत वाली केंद्र सरकार ष्हैट्रिक लगाने जा रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह है 'विकसित भारत' का सपना" उन्होंने कहा कि आज हर भारतीय 'विकसित

भारत' के सपने के साथ एकरूप हो गया है और इसलिए हर देशवासी उनकी सरकार को आशीर्वाद दे रहा है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस को भ्रष्टाचार की जननी और आम आदमी पर्टी (आप) को भ्रष्टाचार की उपज बताया। श्री मोदी ने कहा,"कांग्रेस और इंडिया समूह के स्वार्थ और वोट बैंक की राजनीति ने देश का बहुत नुकसान किया है।" आजकल देश के लोग इंडिया समूह वालों से संविधान–संविधान की रट सुन रहे हैं। ये वो लोग हैं जिन्होंने इमरजेंसी में संविधान का गला घोंट दिया था। जब 84 के दंगों में सिखों के गले में टायर बांधकर जलाया जा रहा था, तो इन्हें संविधान की नहीं सूझी।" प्रधानमंत्री ने कहा कि अब कांग्रेस के साथ एक और 'आप' जुड़ गई है। यहां तो आमने–सामने लड़ने का ड्रामा कर रहे हैं, दिल्ली में एक साथ चुनाव लड़ रहे थे। उन्होंने कहा, "लोग भूले नहीं कि कट्टर भ्रष्टाचारी की पहली सरकार कांग्रेस के समर्थन से दिल्ली में बनी थी, इसलिए इन्होंने भ्रष्टाचारी कांग्रेस से भ्रष्टाचार के पाठ पढ़ लिए हैं।" श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है। साठ साल तक कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के एक से बढ़कर एक वारदातें की हैं। ऐसा लगता है कि कांग्रेस ने भ्रष्टाचार में पीएचडी की है। प्रधानमंत्री ने सेना के अपमान को अक्षम्य बताते हुए कहा,"कांग्रेस और इंडिया समूह मोदी को जितनी गालियां देनी हैं दें, लेकिन 'सेना का अपमान मोदी सहन नहीं करेगा।" उल्लेखनीय है कि कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने सेना की सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट में आतंकवादी शिविर पर पर वायु सेना की कार्रवाई और लद्दाख में नियंत्रण रेखा पर चीनी सेना के साथ टकराव को लेकर भारतीय सेनाओं की भूमिका पर संदेश खड़े किए थे। श्री मोदी ने 18वीं लोक सभा चुनाव में भाजपा की फिर जीत के प्रति अपना विश्वास प्रकट करते हुए कहा,"चुनाव की इस भागदौड़ में भी हमारी सरकार एक पल भी व्यर्थ नहीं कर रही है। सरकार बनते ही अगले 125 दिन में क्या होगा?... इसके रोडमैप पर काम कर लिया गया है। इसमें भी 25 दिन विशेष तौर पर युवाओं के लिए रखे गए हैं। अगले पांच साल में कौन से बड़े निर्णय लेने हैं, इसकी भी रुपरेखा खींची जा चुकी है। अगले 25 साल के विजन पर भी हमारी सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है।" ये लोग (आप वाले) पंजाब को नशे से मुक्त करने के नाम पर आए थे, लेकिन इन्होंने नशे को ही अपनी कमाई का साधन बना दिया है। दिल्ली के शराब घोटाले को पूरी दुनिया जान चुकी है।

## मुस्लिम लीग का नया संस्करण है कांग्रेस : योगी

कुल्लू, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को यहां कहा कि कांग्रेस मुस्लिम लीग का नया संस्करण है जो देश में विरासत टैक्स और पर्सनल लॉ के जरिये तालिबानी शासन लागू करना चाहती है। डालपुर में मंडी लोकसभा सीट के लिए पार्टी प्रत्याशी कंगना रनौत के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए श्री आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस का घोषणापत्र मुस्लिम लीग का घोषणापत्र है। जो काम मुस्लिम लीग ने 1940 के दशक में किया था आज कांग्रेस वही काम करने जा रही है। इनका घोषणापत्र कहता है कि पर्सनल लॉ लागू करेंगे। इसका मतलब तालिबानी शासन होगा, जिसमें बेटियां स्कूल नहीं जा पाएंगी, महिलाओं को बुर्का पहनकर घर में दुबककर रहना होगा। योगी ने कहा कि भारत बाबा साहब के संविधान से चलेगा, किसी शरिया कानून से नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शहजादे एक झटके से गरीबी दूर करने की बात करते हैं और कहते हैं कि संपत्ति का सर्वे कराकर पैतृक संपत्तियों पर विरासत टैक्स लगाएंगे और उसमें से आधी संपत्ति पर

घुसपैठियों को बसाएंगे। इनका ये विरासत टैक्स औरंगजेब का जजिया कर है। इनके अंदर औरंगजेब की आत्मा घुस गई है। योगी ने कहा "हमें औरंगजेब जैसे दुष्टों को जीवित नहीं होने देना है। उत्तर प्रदेश में हम ऐसे तत्वों से बहुत सख्ती से निपटते हैं। उत्तर प्रदेश में औरंगजेब को आदर्श मानने वाले बड़े–बड़े माफिया को ठीक करने काम किया गया है। हमारा संकल्प था राममंदिर बनाएंगे वो पूरा हो चुका है। उत्तर प्रदेश को माफिया मुक्त करने भी संकल्प लिया था, आज कोई माफिया नहीं बचा है। आज उप्र में कोई कर्फ्यू और कोई दंगा नहीं होता, बेटी और व्यापारी सुरक्षित हैं। जिन्हें औरंगजेब प्यारे हैं उन्हें कब्र में दफना दिया गया है। आज उप्र में सब चंगा है।" उन्होंने कहा कि हिमाचल की बेटी कंगना रनौत में मीरा बाई की भक्ति, महारानी पद्मिनी का तेज और विरोधियों से जूझने के लिए महारानी लक्ष्मी बाई की तरह शौर्य और वीरांगना का भाव है। कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की सरकार को इन्होंने मुम्बई में सड़कों पर लाकर पानी पिलाने को मजबूर कर दिया था। बिजली महादेव और हिंडम्बा माता की धरा को नमन करते हुए योगी ने कहा, "यहां का मौसम बहुत सुहावना है। मैदान में हम लोग झुलस रहे हैं। दिल्ली का तापमान 50 डिग्री तक और गोरखपुर में 48 डिग्री सेल्सियस था। जब यहां आया तो बहुत राहत महसूस हुई, अहसास हुआ कि हिमाचल को देवभूमि क्यों कहा जाता है। मेरा जन्म भी पहाड़ों में ही हुआ है। ये प्रकृति और परमात्मा का संयोग है कि मुझे उप्र में सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है। जब मुझे हिमाचल में प्रचार के लिए कहा गया तो मैंने कहा था कि कंगना जी के लिए जरूर जाऊंगा।" उन्होंने कहा कि आज पूरे हिन्दुस्तान में एक ही नारा गूंज रहा है, वह है फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। पूरा देश कह रहा है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। पूरा चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच आकर सिमट गया है। रामद्रोही वही हैं जो आतंकवाद और नक्सलवाद का समर्थन करते हैं, जो भारत की अस्मिता और अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़ा करते हैं, जिन्होंने विकास को बाधित किया और गरीबों के हक पर डकैती डाली। योगी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में बीजेपी ने पहली बार संकल्प लिया था कि रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे। अब 500 साल का इंतजार समाप्त हुआ है। पहली बार अयोध्या में रामलला ने अपने भव्य मंदिर में होली भी खेली और जन्मोत्सव भी मनाया।

## जम्मू में बस खाई में गिरी, 21 तीर्थयात्रियों की मौत, 30 घायल

जम्मू, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के रियासी जिले में शिव खोरी दर्शन के लिए तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही एक बस गुरुवार को शहर के बाहरी इलाके अखनूर में कालीधार के पास गहरी खाई में गिर गयी, जिससे 21 लोगों की मौत हो गयी और 30 अन्य घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उत्तर प्रदेश पंजीकरण संख्या वाली एक बस आज अपराह्न जम्मू से शिव खोरी तीर्थस्थल की ओर जा रही थी। यह जम्मू–पुंछ राष्ट्रीय

राजमार्ग पर चौकी चौरा–कालीधार के पास अखनूर इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। उन्होंने बताया कि चालक मोड़ पर वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और बस खाई में लुढ़क गयी। सूचना मिलते ही पुलिस, स्थानीय लोग और स्वास्थ्य विभाग की टीम तुरंत हरकत में आयी और मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान शुरू कर दिया। सूत्रों ने बताया कि शुरुआती जानकारी के अनुसार, 21 लोगों की मौत हो गयी है और 30 लोग घायल हुए हैं। घायलों को अखनूर, चौकी चौरा और जम्मू जीएमसी अस्पतालों में भेजा जा गया है।

## कैंची धाम आकर अभिभूत हूँ: धनखड़

कैंचीधाम(नैनीताल), एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी डॉ सुदेश धनखड़ ने गुरुवार को उत्तराखंड के नैनीताल जिले में श्री कैंची धाम में परम पूज्य बाबा श्री नीब करौरी महाराज के दर्शन किए और आश्रमवासियों के साथ समय व्यतीत किया। श्री कैंची धाम में 'महाराज जी' के दर्शन कर श्री धनखड़ ने कहा कि इस जगह आकर उन्हें धार्मिकता और आध्यात्मिकता के संगम का आभास हुआ है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि "ये वो जगह है, जहाँ ऐसे महापुरुष हुए हैं, जिनके द्वारा निर्धारित उच्चतम सिद्धांत सभी के लिए अनुकरणीय हैं।

## 29 जून से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा, 1 जून से शुरू होगी हेलीकॉप्टर बुकिंग

अमरनाथजी श्राइन बोर्ड और जम्मू–कश्मीर प्रशासन वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस साल यात्रा 29 जून से शुरू होकर 19 अगस्त को ख़त्म होगी। अमरनाथ यात्रा के लिए ऑनलाइन हेलीकॉप्टर बुकिंग जैसी सेवाएं 1 जून से शुरू होंगी। गुफा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा की दरों की घोषणा जल्द ही श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड द्वारा की जाएगी, जिसके अध्यक्ष जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा हैं। यात्रा के सुचारू संचालन के लिए जम्मू–कश्मीर प्रशासन ने पहले ही तैयारी शुरू कर दी है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने बालटाल–डोमेल ट्रैक पर बर्फ हटाने का काम लगभग पूरा कर लिया है और ट्रैक का आगे विकास चल रहा है। इस मार्ग पर दर्जनों मजदूर और बड़ी मशीनें बर्फ हटाने के काम में लगी हुई हैं। जहां बर्फ है, उसे हटाया जा रहा है और जहां पत्तों से बर्फ जमी है, उसे साफ किया जा रहा है।

## चुनाव प्रचार के दौरान मोदी ने घटाई प्रधानमंत्री पद की गरिमा : खड़गे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे चुनाव प्रचार के दौरान खुद को महिमा मंडित किया, बेरोजगारी एवं महंगाई जैसे जनता के मुद्दों को दरकिनार किया ,आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया और प्रधानमंत्री पद की गरिमा को हटाया। श्री खड़गे ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान जनता के मुद्दों को पीछे धकेला और सिर्फ विपक्ष पर निशाना साधकर खुद को महिमा मंडित करने का काम किया है। इस चुनाव में श्री मोदी ने पूरी तरह से जनता को गुमराह करने का काम किया है और बेरोजगारी, महंगाई तथा दूसरे जनहित के मुद्दों को नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह कहना आश्चर्य की बात है कि उन्हें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बारे में ज्यादा जनकारी रिचर्ड

एटनबरो की फ़िल्म से मिली है। श्री खड़गे ने कहा," श्री मोहनदास करमचंद गांधी को पूरी दुनिया अहिंसा के पुजारी के रूप में जानती हैं और कई देशों में उनकी प्रतिमाएं है लेकिन श्री मोदी कहते हैं कि उन्हें राष्ट्रपिता के बारे में जानकारी इस फ़िल्म से मिली है तो यह बहुत आश्चर्यजनक है और इससे यह भी साफ होता है कि उन्हें संविधान की कोई जानकारी नहीं है। महात्मा गांधी ने कभी नफरत की राजनीति नहीं की और किसी वर्ग के प्रति उन्हें कभी कोई नफरत नहीं रही लेकिन श्री मोदी जो राजनीति करते हैं उसमें नफरत रहती ही है। विवेकानंद स्मारक जाने या इस तरह के काम से जानकारी नहीं मिलती है, इसके लिए पढ़ना लिखना भी पड़ता है इसलिए श्री मोदी को राष्ट्रपिता की जीवनी जरूर पढ़नी चाहिए।" कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि आज शाम चुनाव प्रचार समाप्त हो जाएगा। कांग्रेस हमेशा जनता के मुद्दों पर सोचती है और उनके समाधान के लिए काम भी करती है। श्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार में कांग्रेस गरीबों के लिए कई योजनाएं लाई और उन्हें क्रियान्वित भी किया। किसानों की समस्या, महंगाई और जनता से जुड़े दूसरे मुद्दों को जनता के बीच में चुनाव के दौरान उठाया और जनता ने उनका खुलकर समर्थन भी किया है। इसके लिए कांग्रेस के नेताओं,कार्यकर्ताओं और इंडिया समूह के नेताओं ने जिस तरह से मुद्दों को उठाया है इसलिए उन्हें बधाई। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने पिछली 15 दिन के दौरान कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों को बेहिसाब गालियां दी है। इस 25 दिनों के भाषण में उन्होंने 232 बार कांग्रेस का नाम लिया और खुद 700 से ज्यादा बार मोदी शब्द का इस्तेमाल किया, 421 बार मंदिर मस्जिद के बारे में बात की, 224 बार मुस्लिम और पाकिस्तान के बारे में बात की, 573 बार इंडिया समूह और विपक्षी दलों के बारे में बातें की लेकिन महंगाई तथा बेरोजगारी और जनता से जुड़े मुद्दे नहीं उठाए।

## डूंगरपुर मामले में आजम को दस साल की सजा

रामपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में रामपुर जिले की एक विशेष अदालत ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के कद्दावर नेता मोहम्मद आजम खान को डूंगरपुर प्रकरण में दस साल की सजा सुनायी है। चर्चित डूंगरपुर मामले में एमपी एमएलए कोर्ट ने आजम खान को गुनहगार माना है। कोर्ट ने आजम खान को 10 साल की सजा और 14 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। साथ ही दूसरे दोषी को सात साल की सजा और छह लाख रुपये जुर्माना लगाया है। एमपी एमएलए कोर्ट ने पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान को बीते बुधवार दोषी करार दिया था और फैसला सुरक्षित कर लिया था। पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां को डूंगरपुर प्रकरण में आज एमपी–एमएलए स्पेशल कोर्ट (सेशन ट्रायल) के न्यायाधीश डा विजय कुमार ने दोषी ठहराया है। साथ ही सजा पर आज फैसला सुनाया गया। आजम खां सीतापुर जेल में बंद हैं। जेल से ही वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उनकी पेशी हुई। गौरतलब है कि तत्कालीन सपा सरकार में साल 2016 में डूंगरपुर बस्ती में रह रहे लोगों के मकान तोड़कर सरकारी आसरा कॉलोनी बनाई गई थी। वर्ष 2019 में 12 लोगों ने थाना गंज कोतवाली में अलग–अलग प्राथमिकी दर्ज

कराई थी। आरोप था कि तत्कालीन सपा सरकार में आजम खां के इशारे पर पुलिस और सपाइयों ने उनके घरों को जबरन खाली कराया था। उनका सामान लूट लिया और मकानों को ध्वस्त कर दिया था। इन मुकदमों में आजम खां का नाम विवेचना के दौरान पुलिस द्वारा शामिल किया गया था। आजम खान के साथ बरकत ठेकेदार को भी दोषी माना गया है। डूंगरपुर मामले में 12 मुकदमें दर्ज किए गए थे। इनमें दो केस में आज़म खान बरी हो चुके हैं, जबकि एक अन्य मामले में पहले सजा दी गई है।

## माँ को श्रद्धांजलि स्वरूप काव्यगोष्ठी का आयोजन

### माँ के चरणों में सुख मिलता है

प्रयागराज। आज 30 मई को शहर समता के संपादक उमेश श्रीवास्तव की माँ की पुण्यतिथि के अवसर पर माँ को श्रद्धांजलि स्वरूप शाम साढ़े 5 बजे गूगल मीट द्वारा एक काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रयागराज की वरिष्ठ कवयित्री कविता उपाध्याय ने की एवं संचालन तथा संयोजन शहर समता महिला काव्यगोष्ठी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना नें किया । आयोजन का शुभारंभ शहर समता महिला काव्यगोष्ठी गोंडा इकाई की जिलाध्यक्ष विभा श्रीवास्तव की वाणी वंदना से हुआ। यह आयोजन 5रू30 बजे से 6रू30 बजे तक चला जिसमें समस्त भारत वर्ष सें जुड़ी महिला रचनाकारों नें माँ को समर्पित अपनी रचना प्रस्तुत की। इस काव्य गोष्ठी में एडवोकेट अंजु भारती अध्यक्ष शहर समता बेंगलुरु, यामा शर्मा ष्उमेश महासचिव शहर समता देहरादून इकाई, निशा अतुल्य जिलाध्यक्ष देहरादून इकाई, सुनीता गुप्ता सरिता कानपुर, ड ा . य ा ि ग त ा सिंहष्हंसाष(कानपुर),साधना शुक्ला जिलाध्यक्ष भोपाल इकाई, सीमा वर्णिका जिलाध यक्ष कानपुर इकाई ,

, विभा श्रीवास्तव , गोण्डा इकाई , प्रो पूनम चौहान ध ामपुर बिजनौर, प्रतिमा ष्संतष बाजपेई

मंडला म.प्र, सैयदा आनोवारा खातून विश्व नाथ चारिआलि (असम ), अर्चना दलाल दमोह मध्यप्रदेश, संतोष कुमार महतों , विश्व नाथ चारिआलि (असम), नीता शर्मा शिलांग, मेघालय, कवयित्री अन्नपूर्णा मालवीया सुभाषिनी प्रयागराज उत्तर प्रदेश, मीना कुमारी परिहार आदि ने अपनी रचनाओं द्वारा माँ को श्रद्धांजलि अर्पित की। उमेश श्रीवास्तव ने भी अपने उद्बोधन द्वारा अपनी माँ को श्रद्धांजलि अर्पित करतें हुए माँ पर अपनी रचना प्रस्तुत की। धन्यवाद ज्ञापन सीमा वर्णिका ने किया ।

## प्रयागराज में गर्मी और उमस का कहर जारी

*गर्म शहर रहा प्रयागराज, टूटा 1979 का रिकार्ड*

प्रयागराज। प्रयागराज में अब हर कोई गर्मी और उमस से प्रभावित हो रहा है। कल बुधवार को यह शहर यूपी का सबसे गर्म शहर दर्ज किया गया था। यहां का तापमान लगभग 49 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। शाम को कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबादी हुई। लेकिन उससे कोई राहत नहीं मिली। लगातार करीब एक सप्ताह से पूरा शहर गर्मी और तेज धूप से तप रहा है। पिछले पांच दिनों में गर्मी से 4–5 लोगों की जान भी चुकी है। कल कचहरी में एक दारोगा की गर्मी से मौत हो गई थी। आज गुरुवार को भी यही स्थिति है। सुबह से ही यहां तेज उमस के चलते लोग बेहाल दिख रहे हैं। इस गर्मी में बिजली की भी कटौती हो रही है। कहीं लो वोल्टेज की समस्या है तो कहीं ट्रांसफार्मर ही जल जा रहा है।

प्रयागराज में टूटा 1979 का रिकार्ड : नौतपा का कहर इस कदर है कि यहां गर्मी के मामले में कई वर्षों का रिकॉर्ड टूट गया। मौसम विभाग के आंकड़ों पर ध्यान दिया जाए तो, 6 जून 1979 को प्रयागराज में 48.8 डिग्री सेल्सियस पारा रिकार्ड किया गया था। बुधवार को अधिकतम तापमान ने इसी की बराबरी की है। जहां तक मई के अभी तक के सर्वाधिक तापमान की बात है तो 30 मई 1994 को 48.4 डिग्री पारा था। मौसम वैज्ञानिक प्रो. संजय राय का कहना है, इसी तरह की गर्मी का प्रकोप अभी जारी रहेगा। इस सीजन में प्रयागराज पहली बार इतना गर्म हुआ। साथ ही मई में इतनी गर्मी का भी रिकार्ड टूटा है। उधर, जिला प्रशासन की ओर से भी गर्मी और लू से बचाव के संबंध में एडवाइजरी भी जारी की गई है। आमजन से अपील की जा रही है कि वह इस समय खुद का बचाव करें।

## जबरन धर्म परिवर्तन कराने वाला मौलवी जेल में ही रहेगा

*कानपुर के मामले में हाईकोर्ट का जमानत से इंकार, नाबालिग को जबरन मदरसे में भी रखा था*

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में मस्जिद के मौलवी को जमानत देने से इनकार कर किया। उक्त मौलवी पर मानसिक रूप से विक्षिप्त नाबालिग लड़के को बहला–फुसलाकर उसका धर्म परिवर्तन कराने के बाद उसे जबरन श्मदरसेश में रखने का आरोप है। जस्टिस समीर जैन की पीठ ने मौलवी को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि आरोपी के खिलाफ गंभीर आरोप हैं। कथित पीड़ित ने भी सीआरपीसी की धारा 161 के तहत दर्ज अपने बयान में उसके खिलाफ आरोप लगाए हैं। आरोपी याची मौलवी सैयद शाद उर्फ मो. शाद को इसी साल 18 फरवरी को आईपीसी की धारा 504 और 506 और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की धारा 3/5(1) के तहत गिरफ्तार किया गया था।

नौबस्ता कानपुर में दर्ज है मामला : मामले में जमानत की मांग करते हुए आरोपी ने अदालत का रुख किया था। याची मौलवी के खिलाफ मुकदमा थाना – नौबस्ता, कानपुर नगर में दर्ज कराया गया है। याची के वकील ने तर्क दिया कि उसे झूठे आरोप के आधार पर वर्तमान मामले में आरोपी बनाया गया है। यह भी तर्क दिया गया कि कथित पीड़ित मानसिक रूप से विक्षिप्त था और उसने न तो अपना धर्म बदला और न ही उसे धर्म बदलने के लिए मजबूर किया गया। दूसरी ओर सरकारी वकील ने जमानत प्रार्थना का विरोध किया और प्रस्तुत किया कि आवेदक मस्जिद में मौलवी है, जिसने न केवल सूचनाकर्ता के मानसिक रूप से विक्षिप्त नाबालिग बेटे को अपना धर्म बदलने के लिए बहलाया, बल्कि उसे बहलाने के बाद उसे श्मदरसेश में रखा और उसके बाद जबरन उसका धर्म बदल दिया। इस पृष्ठभूमि में, यह देखते हुए कि याची मस्जिद में मौलवी है और उस पर मानसिक रूप से विक्षिप्त नाबालिग का जबरन धर्म परिवर्तन करने का आरोप लगाया गया है। कोर्ट ने आरोपों की गंभीरता और प्रस्तुत साक्ष्य को देखते हुए उसे जमानत देने से इनकार कर दिया।

# गर्मी से 7 गाड़ियों में लगी आग, रोड रोलर जला

**प्रयागराज में 12 दिनों में 7 गाड़ियों में उठी लपटें, किसी तरह लोगों ने बचाई खुद की जान**

प्रयागराज। प्रयागराज में आसमान से आग बरस रही है। यूपी के सबसे गर्म शहरों में प्रयाराज भी शुमार है। तेज धूप, लू से हर कोई परेशान है। गर्मी से जन जीवन तो प्रभावित हो ही रहा है लोगों की जान पर भी बन आ रही है। प्रयागराज की बात करें तो पिछले 12 दिनों में वाहनों में आग लगने की 7 घंटनाएं हो गईं। चलती कारों में आग से अफरातफरी मच जा रही है। लोग लपटों से घिरी गाड़ियों से कूदकर जान बचा रहे हैं। यह सारी घटनाएं सड़कों पर हो रही हैं। वजह साफ है भीषण गर्मी में गाड़ियों के इंजनों का बेतहाशा गर्म हो जाना है। यहां तक की गर्मी की आग यूं है कि रोड रोलर तक में आग लग जा रही है। फाफामऊ में रोड रोलर में आग से अफरातफरी मच गई।

सावधान रहें, एहतियात बरतें

ऐसे में सावधानी बहुत जरूरी है। खासकर हाईवे पर कारों से रफ्तार भर रहे हैं तो इंजन के हीट होने की तरफ जरूर ध्यान दें। रेडीवाटर में पानी है, लीकेज तो नहीं हुआ। एसी कंफ्रेशर बहुज ज्यादा गर्म तो नहीं हो गया यह जरूर देखें। टायरों पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

शास्त्री बिज पर लपटों से घिरी पूरी जल गई आर्टिगा कार

गंगा पर बने शास्त्री बिजल पर तेज रफ्तार आर्टिगा कार में भीषण आग लग गई। यह हादसा 28 मई की दोपहर हुआ जब प्रयागराज का पारा 48 डिग्री से ऊपर था। कार सवार लोग जल्दी से उतर कर भाग गए। आर्टिगा कुछ ही देर में पूरी तरह लपटों से घिर गई। फायर सर्विस की गाड़ी ने पहुंच आग पर काबू पाया।

पिकअप वैन की खिड़की से कूदे थे दो लोग : प्रयागराज के बारा इलाके में डांडो चौराहे पर दोपहर में हाईवे पर अचानक पिकअप वैन में आग लग गई। पिकअप में ड्राइवर समेत दो लोग बैठे थे। आग लगने से दोनों गाड़ी छोड़ भागे। धूं धूं कर पिकअप पूरी तरह जलने लगी। लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन, आग बढ़ती गई। अंत में फायर सर्विस की टीम ने पहुंच आग पर काबू पाया। हालांकि तब पिकअप पूरी तरह जल गई थी। हादसे की वजह से हाईवे पर भीड़ लगी रही। ड्राइवर शैलेश ने बताया कि भीषण गर्मी की वजह से आग लगी।

दारागंज में जली कार, करेली में बाइक : गर्मी की वजह से दारागंज इलाके में मारुति कार में आग लगने से अफरातफरी मची। कार में तीन लोग सवार थे। सभी कार से निकल कर जान बचाते हुए दूर भागे। इसी प्रकार शहर के करेली इलाके में साठ फिट रोड पर पल्सर बाइक में तब आग लगी जब युवक उसे तेजी से चला था। अचानक आग लगने के बाद बाइक छोड़कर निकल भाग। मो. शारिक ने बताया कि पल्सर पर आसपास के लोगों ने जल्दी से पानी छोड़ा तो वह बुझ गई।

इसी प्रकार नवाबगंज इलाके में आईटेन कार में भीषण आग लगने से पूरी गाड़ी जल गई थी। ऐसा ही हादसा प्रयागराज–फैजाबाद मार्ग पर हुआ। बीट कार में आग लगने के बाद उसमें सवार दो लोगों को भागना पड़ा था।

थाना परिसर में खड़े 16 वाहनों में फैल चुकी आग : कुछ दिन पहले गर्मी की वजह से खुल्दाबाद थाना परिसर में भीषण हादसा हो गया था। परिसर में खड़ी गाड़ियों में आग लग गई। सीज किए और लावारिस मिले वाहनों में आग फैलने से तेज लपटें उठने लगीं। पुलिसकर्मी भी आग बुझाने के लिए जूझते रहे थे। दो घंटे में आग पर तो काबू पा लिया था लेकिन 16 गाड़ियां पूरी तरह जल गईं थीं।

# दहेज मांगना जुर्म है, शहरों में लगेंगी इसकी होर्डिंग्स

**इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा– राज्य सरकार दहेज के खिलाफ कैंपेन चलाए, आर्थिक जांच भी हो**

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दहेज प्रथा के मामले पर नाराजगी जताते हुए राज्य सरकारों को फटकार लगाई है। दहेज के एक मामले पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि दहेज लेना और देना दोनों अपराध है। शहरों में इसकी होर्डिंग्स लगाईं जाएं। राज्य सरकार दहेज के खिलाफ कैंपेन चलाए और इसकी आर्थिक जांच भी हो। कोर्ट ने कहा– जब आयकर विभाग दो लाख से अधिक नकद लेन–देन को अवैध मानता है। तो शादी में दिए जाने वाले दो लाख से ज्यादा के दहेज पर कोई कार्यवाही क्यों नहीं होती। बीते कई महीनों से दहेज प्रथा के मामले में हुई बढ़ोत्तरी को देखते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई है। कोर्ट ने राज्य सरकार को दहेज प्रतिषेध कानून के नियमों को कड़ाई से लागू करने का आदेश देते हुए कहा कि जिला प्रतिषेध अधिकारी को दहेज के आरोपों की जांच कर अभियोजन की संस्तुति करने या अभियोजित करने दिया जाए। दोनों पक्ष शादी के समय वर–वधू को मिले उपहारों की सूची एक माह में दहेज निषेध अधिकारी को सौंपे।

मीडिया, टीवी, एनजीओ की सहायता लें : कोर्ट ने सरकार को मीडिया, टीवी, एनजीओ की सहायता से दहेज के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा है कि दहेज के खिलाफ होर्डिंग्स लगाई जाए तथा दहेज विरोधी कैंपेन चलाया जाए।

नकद दहेज वाले मामलों की आर्थिक स्थिति जांची जाए

कोर्ट ने मुख्य दहेज प्रतिषेध अधिकारी से हलफनामा मांगा है कि पिछले दोष साल में जिला दहेज प्रतिषेध अधिकारी के समक्ष कितनी शिकायतें आईं और कितनों का अभियोजन किया गया। नकद दहेज के आरोप पर देने वाले की आर्थिक स्थिति की जांच की गई या नहीं। कोर्ट ने विवाह पंजीकरण के समय उपहारों की सूची की अनिवार्यता के सरकारी याचिका पर दिया है।

वर–वधू को मिले उपहारों की सूची सौंपी जाए

कदम की सराहना करते हुए कहा कि उपहारों की सूची सौंपने के कानून का कड़ाई से सरकार पालन कराए। कोर्ट ने सी एम एम कानपुर नगर के समक्ष याची के विरूद्ध चल रहे मुकदमे की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। याचिका की अगली सुनवाई 16 जुलाई को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान ने अंकित सिंह व तीन अन्य की कोर्ट के निर्देश पर निदेशक महिला कल्याण ने हलफनामा दाखिल कर बताया कि जिला प्रोबेशन अधिकारी को ही जिला दहेज प्रतिषेध अधिकारी नामित किया गया है। धारा 8 बी में स्पष्ट है कि शादी के एक माह के अंदर वर–वधू को मिले उपहारों की सूची दहेज प्रतिषेध अधिकारी को सौंपी जाएगी। जिसे सुरक्षित रखा जायेगा और एक रजिस्टर रखा जायेगा। अधिकारी पर कानूनी उपबंधो के पालन की जिम्मेदारी होगी। कोर्ट ने कहा दहेज के आरोप के मामले बढ़ रहे हैं और किसी में गिफ्ट्स की लिस्ट का उल्लेख नहीं किया जा रहा है। जबकि कानून में वर–वधू पक्ष के हस्ताक्षर से उपहारों की सूची देना बाध्यकारी है। जिसका पालन नहीं किया जा रहा है। कोर्ट ने आई जी पंजीकरण द्वारा बिना उपहार सूची के विवाह पंजीकृत न करने के निर्देश को स्वागत योग्य कदम बताया है। इससे झूठे दहेज के केसों में कमी आयेगी। कोर्ट को बताया गया कि सभी सरकारी विभागों को निर्देश दिया जा रहा है कि सभी सरकारी सेवक अपनी शादी में उपहारों की सूची देंगे। निदेशक महिला कल्याण ने 26 नवंबर को दहेज निषेध दिवस के रूप में मनायें जाने का आदेशध जारी किया है। साथ ही दहेज प्रतिषेध अधिकारी को दहेज के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कोर्ट ने कहा दहेज विरोधी कानून बने 62 साल बीत गये। अभी भी उसका पूरी तरह से पालन नहीं किया जा रहा है। पुलिस दहेज केस की विवेचना में कानूनी उपबंधो की अनदेखी कर रही है और बिना तथ्यों की जांच किए बयान पर मनमानी चार्जशीट दाखिल कर रही है। सरकार अपनी शक्ति का इस्तेमाल कर इस अनियमितता को दुरुस्त करें। भारत में दहेज प्रथा सदियों से चली आ रही है। आज भी शादियों में दहेज खुलेआम लिया और दिया जा रहा है, जिसका खामियाजा लड़कियों को भुगतना पड़ रहा है। आगे बढ़ने से पहले जरा आंकड़ों पर नजर डालते हैं

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक 2022 में देश में कुल 58,24,946 आपराधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 4 लाख 45 हजार 256 मामले महिलाओं के खिलाफ हुए अपराध के हैं।

# प्रयागराज में पारा 47.6 डिग्री सेंटिग्रेट पहुंचा...यूपी में 54 की मौत

**खेत में काम करते–करते बुजुर्ग महिला ने तोड़ा दम, साइकिल चलाते समय युवक हुआ बेहोश**

कानपुर/प्रयागराज। यूपी में 5 दिन से भयानक गर्मी पड़ रही है। प्रदेश में गर्मी और लू से पिछले 24 घंटे में 54 लोगों की जान चली गई। आज भी भीषण गर्मी पड़ रही है। प्रयागराज में दोपहर ढाई बजे पारा 47.6 डिग्री पहुंच गया। हाथरस में सुबह साइकिल चलाते समय युवक बेहोश होकर गिर गया। फतेहपुर में खेत में काम कर रही बुजुर्ग महिला की गर्मी से मौत हो गई। पूर्वी यूपी में आज मौसम बदल गया है। कई जिलों में बादल छाए हैं। मौसम विभाग का कहना है कि आज पश्चिम यूपी के तापमान में भी 1–2 डिग्री की गिरावट आएगी। प्रदेश में 1 जून से प्री–मानसून आ सकता है।

एडवाइजरी जारीः आज उमस भरी गर्मी से कोई राहत नहीं मिलने वाली है। हीट इंडेक्स 55 से 58 तक पहुंच गया है। इसका असर शरीर पर बेहद विपरीत पड़ता है। शरीर को ढक कर ही बाहर निकलें। डॉक्टरों की सलाह है कि बच्चे और बुजुर्ग सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक बाहर निकलने से बचें। गर्मी पश्चिम और मध्य यूपी में आज गर्मी पड़ेगी। हीटवेव का ऑरेंज और यलो अलर्ट है। हालांकि किसी भी जिले में पारा 47 डिग्री के पार नहीं जाएगा। तापमान में एक से दो डिग्री की कमी आ सकती है।

29 शहरों में ऑरेंज अलर्ट : मौसम विभाग ने बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, संतरविदास नगर, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

16 शहरों में यलो अलर्ट : प्रतापगढ़, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, फर्रुखाबाद, उन्नाव, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर और कासगंज में लू का यलो अलर्ट जारी है।

यूपी में आज प्रयागराज सबसे गर्म, पारा 47.6 डिग्री रिकॉर्ड

यूपी में आज भी कई जिलों में भीषण गर्मी पड़ रही है। प्रयागराज का पारा 47.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। वहीं वाराणसी का तापमान भी 47 डिग्री दर्ज किया गया।

बरेली जंक्शन पर एसी का कम्प्रेशर फटा : बरेली में भीषण गर्मी के कारण गुरुवार दोपहर जंक्शन पर बैंक ऑफ बड़ोदा के एटीएम में लगा एसी का कंप्रेशर फट गया। कंप्रेशर फटने से एमसीओ कार्यालय के तारों में आग लग गई। मौके पर अफरा तफरी मच गई। मौके पर पहुंचे रेलवे के बिजली विभाग के कर्मचारियों ने आग पर काबू पाया। इस दौरान अधिकांश वायर जलकर राख हो गए। घटना प्लेटफार्म नंबर एक की है।

कानपुर में पुलिस ने रिक्शा चालकों को गमछे बांटे : कानपुर पुलिस ने गर्मी से बचाव के लिए रिक्शा चालकों को गमछे बांटे। TSI राजकुमार सिंह तोमर ने परेड चौराहे पर दर्जनों रिक्शा चालकों को गमछे पहनाए।

कानपुर में बदला मौसम, बादल छाए : कानपुर में आज मौसम बदल गया है। लोगों को चिलचिलाती धूप से राहत मिली है। बादल

### प्रयागराज में भी भीषण गर्मी, पारा 45 डिग्री के पार

प्रयागराज में भी भीषण गर्मी पड़ रही है। सड़कों पर सन्नाटा है। लोग दोपहर में घर से निकलने से बच रहे हैं। जो निकल भी रहे हैं वो शरीर और फेस को ढक कर निकल रहे हैं। सुबह 11.30 बजे तापमान 45.6 डिग्री दर्ज किया गया। लू के बीच हवा में नमी भी बरकरार है। जिसकी वजह से गर्मी के साथ ही उमस का भी एहसास हो रहा है।

छाए हैं। हालांकि हवा में तपिश बरकरार है। अधिकतम तापमान 43 डिग्री दर्ज किया गया।

वाराणसी में दोपहर 12.30 बजे पारा 47 डिग्री पहुंचा : वाराणसी में आज भी भीषण गर्मी पड़ रही है। सुबह 12.30 बजे पारा 47 डिग्री पहुंच गया है। हवा की रफ्तार 13 किलोमीटर की है। हवा में नमी 16 फीसदी है।


## अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेसपोंडेंट बाबत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समाअत अपील व निगरानी
न्यायालय अपर आयुक्त प्रयागराज मण्डल प्रयागराज
अपील संख्या 1207 /23 प्रयागराज

रोहित कुमार तिवारी

बनाम

उत्तर प्रदेश सरकार आदि

बनाम

**देवेश तिवारी** पुत्र स्व0 शारदा प्रसाद त्रिपाठी नि. मौज़ा रामपुर उर्फ बलरामपुर प. - झुन्सी , त. - फूलपुर , जिला प्रयागराज

आपको यह सूचना दी जाती है कि **तारीख 2 माह 7 वर्ष 2024** दिन .... समय दस बजे अपील/निगरानी कि सुनवाई के हेतु हुआ है । यदि आप इस न्यायालय मे उक्त विषय पीआर स्वतः अथवा किसी वकील के द्वारा उपस्थित न रहेंगे तो अपील/निगरानी कि सुनवाई करके आपकी अनुपस्थिति मे निर्णय कर दिया जाएगा।

**नि.ति.** 02/07/2024

न्यायालय अपर आयुक्त


## दो माह में बिके 18 हजार से ज्यादा एसी, कम बिजली की खपत वाले कंपनी की मांग अधिक

प्रयागराज। रिकॉर्ड तोड़ गर्मी में एसी और कूलर की बिक्री भी रिकॉर्ड बना रही है। बीते दो माह की बात करें तो शहर में 18 हजार से ज्यादा एसी एवं 25 हजार के आसपास कूलर की बिक्री हो चुकी है। प्रचंड गर्मी को देखते हुए बाजार के जानकारों का अनुमान है कि सप्ताह भर में चार हजार से ज्यादा एसी और बिक जाएंगे। एसी की मांग इस कदर है कि मांग के अनुसार डिस्ट्रीब्यूटर्स सप्लाई नहीं कर पा रहे हैं। एसी के इंस्टालेशन में ही तीन से चार दिन का वक्त लग जा रहा है। बाजार में बिजली की कम खपत वाले एसी की मांग ज्यादा है।

## उत्तर मध्य रेलवे

**गैर हाजिरी सूचना**

श्री राहुल कुमार, पुत्र- श्री गुलाब सिंह, प्वाइंट्समैन / प्रयागराज छिवकी, मण्डल-प्रयागराज, निवासी-ग्राम - पूरे टेसहियन का पुरवा, पोस्ट-डेरवा, जिला-प्रतापगढ़, उ0प्र0-230128 आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक **01.05.2024** से लगातार बिना किसी सूचना के अपनी ड्यूटी से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित चल रहे हैं। इसके पूर्व में आप दिनांक **26.09.2023 से 17.10.2023**, दिनांक **29.12.2023** से **31.12.2023** तथा दिनांक **13.01.2024** से **18.01.2024** तक बिना किसी सूचना के अपनी ड्यूटी से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित थे। इस सूचना के प्रकाशित होने की तिथि से दस (10) दिनों के अन्दर मण्डल परिचालन प्रबंधक (कोचिंग) / उ.म.रे. / प्रयागराज, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, नवाब यूसुफ रोड, प्रयागराज के कार्यालय में अवश्य उपस्थित हों अन्यथा यह माना जायेगा कि आप आगे रेल सेवा नहीं करना चाहते हैं, जिसके कारण रेल प्रशासन को एकतरफा निर्णय लेने हेतु बाध्य होना पड़ेगा एवं आपके विरुद्ध बर्खास्तगी / निष्कासन / अनिवार्य सेवानिवृत्ति का दण्ड पारित किया जा सकता है।

**नाम- श्री राहुल कुमार**
**पुत्र- श्री गुलाब सिंह**
**निवासी-ग्राम-पूरे टेसहियन का पुरवा,**
**पोस्ट-डेरवा जिला-प्रतापगढ़,**
उ0प्र0-230128

**मण्डल परिचालन प्रबन्धक**
**(कोचिंग)**
**उत्तर मध्य रेलवे,**
**प्रयागराज**
928/24(P)

North central railway www.ncr.indianrailways.gov.in @northcentralrailway @CPRONCR

## संक्षिप्त

### आरबीआई का बड़ा एक्शन, इस कंपनी के कामकाज पर लगा दी रोक

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने एडलवाइज ग्रुप पर बड़ी कार्रवाई की है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इस ग्रुप की दो बड़ी कंपनियों ईसीएल फाइनेंस और एडलवाइज एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी को काम करने से रोक दिया है। इन कंपनियों को काम करने पर रिजर्व बैंक ने प्रतिबंध लगाया है। रिजर्व बैंक ने इसकी जानकारी खुद दी है। बैंक की मानें तो इन दोनों ही कंपनियों के कामकाज करने के तरीकों में कई गड़बड़ियां मिली है। इन गड़बड़ियों के कारण ही दोनों कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई के तहत आरबीआई ने एडलवाइज ग्रुप को निर्देश दिया है कि ये आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होना चाहिए। कंपनियों के कामकाज पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगना चाहिए। इस आदेश के तहत अब ईसीएल फाइनेंस द्वारा होने वाले होलसेल ट्रांजेक्शन पर रोक लगाई गई है। कंपनी को सिर्फ रीपेमेंट और अकाउंट क्लोजर करने की अनुमति ही होगी। कंपनी से कहा गया है कि सिक्योरिटी रिसिप्ट्स समेत फाइनेंशियल एसेट पर रोक लगाई जानी चाहिए। इस संबंध में रिजर्व बैंक ने कहा कि एडलवाइज ग्रुप की कंपनियों के खिलाफ जांच में गड़बड़ी पाई गई है। जांच में सामने आया कि दोनों ही कंपनियों ने गलत वैल्युएशन किया हुआ था। शेयर के बदले कर्ज देने के लिए मानदंडों का पालन नहीं किया गया था। केवाईसी के नियमों का भी पालन नहीं किया गया था।

नियमों का उल्लंघन कर रही थी कंपनी

गौरतलब है कि आरबीआई ने कई नियमों में बदलाव किया है। आरबीआई ने इन कमियों में सुधार करने के लिए निर्देश दिए है। इसके बाद भी कंपनियों ने नियमों का उल्लंघन करने के लिए नए रास्ते तलाशने शुरू किए है। इन कंपनियों के अधिकारियों से भी कई बार चर्चा की गई मगर कंपनी ने नियमों का पालन नहीं किया। ऐसे में कंपनी के बिजनेस पर रोक लगाने का फैसला आरबीआई ने लिया है। आरबीआई ने कहा कि इनके कारोबार पर लगाए गए प्रतिबंध का रिव्यू भी होगा, मगर इसमें समय लगेगा।

### इंटरनेट आधारित कारोबार: सेबी ने ब्रोकर को मंजूरी देने का समय घटाकर किया सात दिन

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने इंटरनेट आधारित कारोबार के लिए शेयर ब्रोकर को मंजूरी देने में स्टॉक एक्सचेंज द्वारा लगने वाले समय को मौजूदा के 30 दिन से घटाकर को सात दिन कर दिया है। इस कदम का मकसद कारोबार में सुगमता लाना है। नियम के तहत ब्रोकर को

इंटरनेट आधारित कारोबार सेवा प्रदान करने की औपचारिक अनुमति के लिए संबंधित स्टॉक एक्सचेंज में आवेदन करना आवश्यक है। सेबी ने परिपत्र में कहा कि स्टॉक एक्सचेंज को अपने निर्णय की जानकारी सदस्य को 30 दिन के भीतर देनी होती है लेकिन अब उसे ऐसा सात दिन के भीतर करना होगा। इंटरनेट पर कारोबार 'ऑर्डर रूटिंग सिस्टम' के जरिये हो सकता है। इस प्रकार देश के किसी भी हिस्से में बैठा व्यक्ति ब्रोकर की 'इंटरनेट कारोबार प्रणाली' के जरिये इंटरनेट को माध्यम के रूप में इस्तेमाल कर कारोबार कर सकता है। सेबी के अनुसार, नए दिशानिर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

### मॉर्गन स्टेनली ने भारत की वृद्धि दर 2024 में 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया, महंगाई पर यह कहा

नई दिल्ली। मॉर्गन स्टैनली ने संकेत दिया है कि भारत में वृद्धि दर उपभोक्ता और कारोबारी खर्च दोनों के आधार पर अधिक व्यापक रह सकती है। वैश्विक निवेश बैंक ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट '2024 ग्लोबल इकोनॉमिक मिडइयर आउटलुक' में भारत की मजबूत वृद्धि का श्रेय तीन मेगाट्रेंड्स– ग्लोबल ऑफशोरिंग, डिजिटलाइजेशन और एनर्जी ट्रांजिशन को दिया। मॉर्गन स्टैनली ने भारत के लिए 2024 में 6.8 प्रतिशत (आरबीआई के 7 प्रतिशत के मुकाबले) और अगले वित्तीय वर्ष के लिए 6.

5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। एजेंसी के अनुसार मुद्रास्फीति नीति निर्माताओं के कंफर्ट जोन के भीतर बनी रहेगी। अप्रैल 2024 में खुदरा मुद्रास्फीति 4.83 प्रतिशत दर्ज की गई, जो पिछले 11 महीनों में सबसे कम है। हालांकि, भारत में खुदरा मुद्रास्फीति आरबीआई के 2–6 प्रतिशत के सामान्य स्तर पर है, लेकिन आदर्श स्थिति 4 प्रतिशत के परिदृश्य से ऊपर है। मुद्रास्फीति उन्नत अर्थव्यवस्थाओं सहित कई देशों के लिए चिंता का विषय रही है, लेकिन भारत काफी हद तक अपने मुद्रास्फीति प्रक्षेपवक्र को काफी अच्छी तरह से प्रबंधित करने में कामयाब रहा है। मॉर्गन स्टेनली ने भविष्यवाणी करते हुए कहा, मजबूत वैश्विक विकास से भारत को लाभ हो रहा है। निर्यात से उच्च आय होगी और घरेलू पूंजीगत खर्च को इससे समर्थन मिलेगा।

# पूर्व क्रिकेटर साइमन डुल का बड़ा दावा, कहा- विराट कोहली की आलोचना करने पर मिली धमकी

*न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर साइमन डुल ने विराट कोहली के स्ट्राइक रेट मामले को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि कोहली की आलोचना करने के कारण उन्हें जान से मारने की धमकी मिली थी। कोहली की स्ट्राइक रेट की आलोचना करने वालों में न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज और कमेंटेटर साइमन डूल भी शामिल हैं।*

हाल ही में खत्म हुए आईपीएल 2024 में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। वह सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे जिन्हें लीग के बाद ऑरेंज कैप से नवाजा गया। लेकिन इस सीजन में उनके स्ट्राइक रेट को लेकर काफी चर्चा हुई थी वहीं जब उनकी टीम टूर्नामेंट से बाहर हुई तो उनका स्ट्राइक रेट 154.70 रहा, जोकि उनका सीजन बेस्ट है। इस दौरान न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर साइमन डुल ने विराट कोहली के स्ट्राइक रेट मामले को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि कोहली की आलोचना करने के कारण उन्हें जान से मारने की धमकी मिली थी। कोहली की स्ट्राइक रेट की आलोचना करने वालों में न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज और कमेंटेटर साइमन डूल भी शामिल हैं। हालांकि, उन्होंने सीजन के बाद कहा कि कोहली उनके हिसाब से सीजन के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज थे। डूल ने कोहली जैसे खिलाड़ी की आलोचना करने के दूसरे पहलू भी बताए। वहीं साइमन ने कहा कि, मैं एक अद्भुत खिलाड़ी को देख रहा हूं। एक ऐसा खिलाड़ी जिसे पहले से ज्यादा हावी होना चाहिए था। मैंने यही कहा था, जब उनके स्ट्राइक रेट के बारे में बात हो रही थी। मुझे लगा कि वह आउट होने से डर रहा था क्योंकि उसे इस बात की चिंता थी कि उसके पीछे क्या है, ना कि इस बात कि वह क्या कर रहा है। ये वही बात है जो मैंने बाबर के बारे में कही थी और पाकिस्तान में इस बारे में बात करने के बाद मैंने उससे बात की थी और उसने कहा था कि उसके कोचों ने भी उसे यही बात कही थी। इस साल मुझे कोहली की जो चीज पसंद आई, वह ती छक्के मारने की इनकी इच्छा।

साइमन ने आगे कहा कि, वह इतना अच्छा है कि उसे आउट होने की चिंता नहीं करनी चाहिए और यही बात मैंने हमेशा कही है। मैंने विराट कोहली के बारे में हजारों अच्छी बातें कही हैं, लेकिन अगर मैं कोई निगेटिव बात करता हूं तो मुझे जान से मारने की धमकियां मिलती हैं। ये शर्म की बात है।

# 18 महीने बाद भारतीय टीम के साथ खेलेंगे ऋषभ पंत, कहा- भारत की जर्सी पहनना अलग एहसास

*ऋषभ पंत 18 महीने बाद भारतीय टीम के साथ नजर आ रहे हैं। दिसंबर 2022 में भयानक कार एक्सीडेंट के बाद पंत पहली बार भारतीय टीम में शामिल हुए हैं और इंटरनेशनल क्रिकेट खेलेंगे। वे भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2024 में नजर आने वाले हैं, जिसकी तैयारी में वो जुट गए हैं।*

भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 18 महीने बाद भारतीय टीम के साथ नजर आ रहे हैं। दिसंबर 2022 में भयानक कार एक्सीडेंट के बाद पंत पहली बार भारतीय टीम में शामिल हुए हैं और इंटरनेशनल क्रिकेट खेलेंगे। वे भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2024 में नजर आने वाले हैं, जिसकी तैयारी में वो जुट गए हैं। वह भारतीय टीम के साथ बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज खेलेंगे और इसके लिए वह प्रैक्टिस भी कर रहे हैं। वहीं उन्होंने इस दौरान कहा कि भारत की जर्सीस को पहनना और टीम में वापसी करना उनके लिए एक अलग एहसास है। ऋषभ पंत न्यूयॉर्क में टीम इंडिया के पहले नेट सेशन में नजर आए। उन्होंने कई गेंदबाजों का सामना किया और अपनी फीलिंग भी बताई। उन्होंने पहले सूर्यकुमार यादव से भा बात की थी कि हम एनसीए में मिले थे, जहां उनका रिहैब चल रहा था।

बीसीसीआई द्वारा शेयर किए गए वीडियो में उन्होंने वापसी को लेकर कहा कि, इंडियन जर्सी में टीम के साथ वापसी करना एक अलग एहसास है। ये वह चीज है, जिसे मैंने बहुत मिस किया है। मुझे लगता है कि साथियों को देखना, मीटिंग करना और टाइम बिताना अच्छा लगा। वहीं पंत ने आगे कहा कि, खिलाड़ियों के साथ मजे करना और बातें करने में मजा आया। हम अलग–अलग देशों में क्रिकेट खेलने के अभ्यस्त हैं, लेकिन यहां चीजें अलग हैं। हम पहली बार न्यूयॉर्क में नए विकेट्स पर खेलेंगे, ये एक नया चौलेंज है। क्रिकेट दुनियाभार में ग्रो हो रहा है और यूएसए में भी हम ऐसा देख पा रहे हैं। नए पिच और नया सेटअप तैयार हुआ है और मौसम भी अलग है तो हम इसके आदी हो रहे हैं। मैं चाहता हूं कि मैं इस टूर्नामेंट में वापसी करते हुए छाप छोड़ सकूं। इसी के लिए तैयारी कर रहा हूं। पंत ने आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच नवंबर 2022 में खेला था।

# इस दिन होगी अनंत अंबानी और राधिका मरचेंट की शादी, जाने कब शुरू होंगे वेडिंग फंक्शंस

देश के दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। अनंत अंबानी की शादी राधिका मरचेंट के साथ होने वाली है। दोनों की शादी की तैयारी लंबे समय से चल रही है। अब दोनों की शादी का कार्ड भी सामने आ गया है। अनंत अंबानी और राधिका मरचेंट की शादी के कार्ड को न्यूज एजेंसी एएनआई ने भी ट्वीट किया है। न्यूज़ एजेंसी के अनुसार अनंत अंबानी और राधिका मरचेंट मुंबई के बिकेसी में स्थित जियो वर्ल्ड कंवेंशन सेंटर में शादी करेंगे। अनंत अंबानी अपनी मंगेतर राधिका मरचेंट के साथ 12 जुलाई को 7 फेरे लेंगे। इसके साथ ही दोनों शादी के बंधन में बंध जाएंगे। दोनों की शादी भी शानदार और शाही होने वाली है जिसके कई अपडेट लगातार सामने आ रहे हैं। भाई अब दोनों की शादी का कार्ड भी सामने आ गया है जिसे साबित होता है कि उनकी शादी हिंदू रीति रिवाज से होने वाली है। दोनों की शादी शुक्रवार 12 जुलाई को होगी। इसके बाद 13 जुलाई को शुभ आशीर्वाद कार्यक्रम होगा। 14 जुलाई को वेडिंग रिसेप्शन किया जाएगा। इसी शादी में देश और दुनिया की कई बड़ी सेलिब्रिटीज शामिल होंगे। तीन दिन का ही फंक्शन 12 जुलाई से शुरु होंगे और ये फंक्शन 14 जुलाई तक जारी रहेंगे। शादी के सभी आयोजन बीसी के जिओ वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होंगे। इन सभी फंक्शंस में हिस्सा लेने के लिए मेहमानों को भारतीय पारंपरिक परिधान पहने होंगे। तीनों दिनों की फंक्शंस के लिए एथेनिक ड्रेस कोड ही रखा गया है।

मेहमानों को भी मिला न्योता

इस शानदार शादी का न्योता मेहमानों को भी मिलने लगे है। शादी में बिजनेस राजनीति और बॉलीवुड समेत कई दिग्गज हस्तियां शिरकत करेंगे। इस शादी में शामिल होने के लिए गोल्डन और रेड कलर का कार्ड जब पाया गया है जो सभी मेहमानों को मिल चुका है।

प्री वेडिंग फंक्शंस की भी है पूरी तैयारी

अनंत अंबानी और राधिका मरचेंट की शादी से पहले भी वेडिंग फंक्शंस का आयोजन भी किया जाएगा। फ्रांस में समंदर के बीच लग्जरी क्रूज पर इन फंक्शन का आयोजन होगा। प्री वेडिंग फंक्शंस 29 में से शुरू होंगे। इस फंक्शन में देश और दुनिया की 800 हस्तियों को बुलाया गया है। इन प्रोग्राम में रणवीर सिंह, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, शाहरुख खान, सलमान खान, रितेश देशमुख, रश्मिका मंदाना शिरकत करेंगे।

### भारत और पाकिस्तान मैच पर आतंकी हमले की आशंका पर आईसीसी ने दिया बयान

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत और पाकिस्तान आपस में 9 जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में भिड़ेंगे। लेकिन उससे पहले इस मैच पर आतंकी साया मंडराने लगा है। डेली एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, भारत और पाकिस्तान के मैच पर आतंकी हमले की आशंका है। यही कारण है कि न्यूयॉर्क की पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्थान काफी बढ़ा दी है। हालांकि, अधिकारियों को अब तक कथित खतरे का समर्थन करने के लिए कोई मजबूत सबूत नहीं मिले हैं। वहीं अब इस पर आईसीसी ने

अपनी चुप्पी तोड़ी है। ईएसपीएनक्रिकइंफो ने आईसीसी के हवाले से लिखा है कि, पूरे टूर्नामेंट में सुरक्षा मजबूत होगी। जिसमें न्यूयॉर्क भी शामिल है, आईसीसी के प्रवक्ता ने कहा है कि कार्यक्रम में सभी की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। हमारे पास एक व्यापक और मजबूत सुरक्षा योजना है। आईसीसी ने कहा है कि, हम अपने मेजबान देशों के अधिकारियों के साथ मिलकर काम करते हैं और वैश्विक परिदृश्य की निरतंर निगरानी और मूल्यांकन करते हैं ताकि ये सुनिश्चित हो सके कि हमारे आयोजन के लिए पहचाने गए किसी भी जोखिम को कम करने को लेकर उचित योजनाएं मौजूद हैं। इससे पहले 9 जून को भारत और पाकिस्तान मैच को लेकर आतंकी खतरे की रिपोर्ट के बाद न्यूयॉर्क के गर्वनर के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया था कि आइजनहावर पार्क स्टेडियम में सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया गया है। वे स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उनकी खुफिया जानकारी के अनुसार, इस समय तक सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर कोई खतरा नहीं है। मैनहट्टन से लगभग 25 मील पूर्व में स्थित आइजनहावर पार्क स्टेडियम पर 3 जून से 12 जून तक टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 8 मैच खेले जाने हैं। इससे हाई प्रोफाइल भारत और पाकिस्तान का मैच भी शामिल है।

### टीम इंडिया का नया हेड कोच चुनने से पहले सौरव गांगुली ने दी BCCI को सलाह, जानें क्या कहा?

राहुल द्रविड़ का बतौर कोच टीम इंडिया के साथ कार्यकाल टी20 वर्ल्ड कप 2024 तक का ही है। ऐसे में बीसीसीआई नए कोच की तलाश में हैं। कुछ रिपोर्ट्स सामने आईं है कि गौतम गंभीर को टीम इंडिया के नए हेड कोच के लिए चुन लिया गया है। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी तक इसका अधिकारिक तौर पर ऐलान नहीं किया है। इस बीच टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने बोर्ड को नए कोच को

चुनने को लेकर एक हिदायत दी है। उनका कहना है कि कोच की भूमिका किसी भी व्यक्ति के भविष्य को आकार देती है, ऐसे में उनका चयन बड़ी ही समझदारी से करना चाहिए। सौरव गांगुली ने एक्स पर लिखा कि, किसी के जीवन में कोच का महत्व, उनका मार्गदर्शन और निरंतर प्रशिक्षण किसी भी व्यक्ति के भविष्य को आकार देते हैं, चाहे वह मैदान पर हो या मैदान के बाहर। इसलिए कोच और संस्थान का चयन समझदारी से करें... आईपीएल के दौरान रिकी पोंटिंग और जस्टिन लैंगर जैसे पूर्व विदेशी खिलाड़ियों ने दावा किया था कि बीसीसीआई ने कोच के पद के लिए उनसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने इसके लिए इनकार कर दिया।

# सम्पादकीय.....

## युवाओं में कैंसर

निश्चित रूप से यह बेहद चिंता बढ़ाने वाला निष्कर्ष है कि भारत में कैंसर तेजी से युवाओं को अपनी चपेट में ले रहा है। जो हमारी जीवनशैली व खानपान की आदतों में आये बदलावों का भी सूचक है। दरअसल, कैंसर विशेषज्ञों के समूह द्वारा कैंसर मुक्त भारत फाउंडेशन के तहत एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया कि कैंसर तेजी से युवाओं को प्रभावित कर रहा है। अध्ययन बताता है कि देश में बीस फीसदी मामले चालीस वर्ष से कम आयु के पुरुषों व महिलाओं में पाए गए हैं। जिसमें साठ फीसदी मरीज पुरुष हैं। कैंसर के सबसे ज्यादा मामले सिर व गर्दन के कैंसर के हैं, जो करीब छब्बीस प्रतिशत बताए गए हैं। इसके बाद ये आंकड़े बताते हैं कि सोलह फीसदी मामले गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर के, पंद्रह फीसदी स्तन कैंसर तथा रक्त कैंसर के मामले नौ फीसदी हैं। कैंसर विशेषज्ञों का मानना है कि युवा पीढ़ी में बढ़ते कैंसर के खतरे की वजह तंबाकू व शराब का सेवन है। वहीं दूसरी ओर मोटापा भी एक बड़ा कारक है। जिसके मूल में युवाओं का निष्क्रिय जीवन भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि कैंसर के मामले बढ़ने की एक वजह प्रोसेस्ड भोजन का अधिक सेवन भी है। दुर्भाग्य से चिंता की सबसे बड़ी बात यह है कि दो तिहाई मामलों में कैंसर का पता तब चलता है जब तक उपचार में देर हो चुकी होती है। दरअसल, देश में कैंसर की समय रहते जांच कराने के प्रति उदासीनता के चलते भी इस जानलेवा रोग का देर से पता चलता है। ऐसे में सरकार और सामुदायिक स्तर पर कैंसर को लेकर देशव्यापी अभियान चलाने की जरूरत है। कम से कम लोगों को इस बात के लिये मानसिक रूप से तैयार किया जाए कि प्राथमिक संकेत मिलने पर समय रहते जांच तो करा ही लेनी चाहिए। स्वयं सेवी संगठन ग्रामीण इलाकों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सचेत कर सकते हैं। यही वजह है कि एक प्रमुख बहुराष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा समूह द्वारा हाल ही में जारी अपनी एक रिपोर्ट में भारत को 'दुनिया की कैंसर राजधानी' के रूप में वर्णित किया है। इसकी वजह हर साल कैंसर के लाखों मामले दर्ज किया जाना भी है। दरअसल, भारत में हर साल कैंसर के दस लाख नये मामले दर्ज किये जाते हैं। आशंका जतायी जा रही है कि यह वृद्धि वर्ष 2025 तक वैश्विक औसत को पार कर जाएगी। दरअसल, युवाओं के मामलों को संभालने के लिये एक विशिष्ट केंद्रित दृष्टिकोण की जरूरत होती है। यह देश के कामकाजी वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है। जिसके लिये उन्हें जीवनशैली में बदलाव के लिये प्रेरित किया जा सकता है। साथ ही प्रारंभिक अवस्था में कैंसर का पता लगाने वाली प्रभावी स्क्रीनिंग रणनीति को प्रोत्साहित करके संकट को दूर किया जा सकता है। सही मायनों में भारत को इस छद्म महामारी से मुकाबले के लिये अच्छी तरह से तैयार रहना होगा। यह खतरा बड़ा है और इसमें कैंसर की प्रभावी देखभाल को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। समय की जरूरत है कि कैंसर विषयक अनुसंधान को विशिष्ट महत्व दिया जाए। विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष कैंसर के प्रमुख कारकों पर प्रकाश डालते हैं। मसलन शरीर में टैटू गुदवाने वाले लोगों में रक्त कैंसर होने का खतरा ज्यादा होता है। इस तथ्य को युवाओं तक पहुंचाने की आवश्यकता है। कैंसर के खिलाफ जागरूकता के लिये ऐसे कदम उठाने जरूरी हैं। एक बहुआयामी रणनीति ही भारत को सभी बीमारियों से मजबूती से लड़ने में मदद कर सकती है।

## आज का राशिफल

मेष :– आज कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। रोजगार संबंधी यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार है। शिक्षा क्षेत्र में जुड़े सभी छात्रों को परिश्रम करने की आवश्यकता है।

बृषभ :– स्वयं पर भरोसा कर योजनाओं को सुचारु रूप से क्रियान्वित करें। संबंधों में सरल व व्यवहारिक बनने की कोशिश करें। आर्थिक चिंता संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार हैं।

मिथुन :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध मन को हतोत्साहित करेगा। संबंधों के प्रति नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन मे उत्साह का संचार होगा। क्रोध पर नियंत्रणरखें।

कर्क :– कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव। पत्नी के स्वास्य का ध्यान रखें।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा।

कन्या :– समस्याओं के समाधान हेतु मन नए युक्तियों पर केन्द्रित होगा। महत्वपूर्ण कायरे के प्रति आलस्य न करें। छोटी–छोटी बातों पर क्रोधित न हो। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा।

तुला :– मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में सन्तुलित व मधुर वाणी का प्रयोग करें। कोई आपका अपना बिगड़े हुए सम्बन्धों मे सुधार कराएगा। किसी कार्य से संपन्न होने के आसार हैं।

वृश्चिक :– सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु सन्तुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में संबंधों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कठिनाइयां संभव। मधुर वाणी का प्रयोग करें।

धनु :– नए समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय सम्बनध मे प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय–व्यय मे सन्तुलन बनने का प्रयत्न करें। आलस्य का त्याग करें। रोजगार के अवसर सुलभ होंगे।

मकर :– कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव। कटु शब्दों का प्रयोग न करें।

कुंभ :– पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर आप उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता प्रगति के लिए आशान्वित होंगे। सुखद कायरे की व्यस्तता रहेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी।

मीन :– क्षमता से परे किसी कार्य की जिम्मेदारी लेना हानिकार हो सकती है। विद्यार्थी शिक्षा मे लापरवाही ना करें। रोजगार में नए लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। जीवन साथी का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा।

# इंडिया की बैठक के प्रयोजन और निहितार्थ

**एजेंसी**

*पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, बिहार, तेलंगाना और कर्नाटक में भाजपा पिछले दोनों (2014 व 19) चुनावों के मुकाबले पिछड़ती दिख रही है। इस स्थिति में अनेक ऐसे तथ्य हैं जिन्हें लेकर इंडिया को बहुत सावधान रहने की आवश्यकता होगी।*

1 जून को लोकसभा चुनाव के सातवें एवं अंतिम चरण का मतदान जब तक समाप्त होगा, संयुक्त प्रतिपक्ष यानी इंडिया की दिल्ली में बैठक आहूत की गई है। यह बैठक एक ओर जीत के प्रति इंडिया के विश्वास की अभिव्यक्ति है वहीं वह सरकार बनाने की रणनीति का हिस्सा भी कही जा सकती है। चुनावी नतीजों को लेकर जैसे अनुमान लगाये जा रहे हैं, वे निश्चित रूप से विपक्षी गठबन्धन में उत्साह का संचार करने के लिये पर्याप्त हैं। तो भी बैठक बुलाया जाना इस बात का संकेत है कि इंडिया चौकन्ना है और वह ऐसी कोई भी गुंजाइश नहीं छोड़ना चाहता जिससे जोड़–तोड़ में माहिर भारतीय जनता पार्टी सेंध मारी कर सके। बैठक को लेकर यह भी कयास लगाये जा रहे हैं कि बहुमत मिलने की स्थिति में प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार इसमें तय हो सकता है। चुनाव के परिणाम 4 जून को निकलेंगे। दोपहर तक ही तय हो जायेगा कि किसकी सरकार बनेगी। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी अपने बल पर 370 और अपने सहयोगियों (नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस– एनडीए) के साथ मिलकर 400 पार जाने का नारा दे रही है। हालांकि यह लक्ष्य 7 मई को हुए मतदान के तीसरे चरण के बाद ही हवा–हवाई हो चुका है। तो भी इसका जिक्र कभी–कभार भाजपा की प्रचार सभाओं में होता रहता है। यह अलग बात है कि अब भाजपा इतना ही कह रही है कि वह सरकार बनाने लायक सीटें (272) तो ले ही आयेगी, यानी मोदी तीसरी बार पीएम बनने जा रहे हैं। दूसरी तरफ जो जमीनी हालात दिखाई दे रहे हैं उससे इंडिया को बढ़त साफ महसूस की जा सकती है। अब तो केवल 8 राज्यों की मात्र 57 सीटों पर मतदान रह गया है लेकिन अब तक कांग्रेस व गठबन्धन के सहयोगी दलों की सभाओं में उमड़ी भीड़ ने बता दिया है कि जादुई आंकड़े को भाजपा नहीं इंडिया छूने जा रहा है। जिस उत्तर प्रदेश को भाजपा का सबसे मजबूत किला कहा जाता है, वहां भी उसे अपनी कई सीटें बचाने के लिये कड़ा संघर्ष करना पड़ रहा है। गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड जैसे राज्यों में जहां 2019 में भाजपा का स्ट्राइक रेट शत प्रतिशत या लगभग उतने का स्ट्राइक रेट था, वहां के बारे में पूरे दावे से कोई नहीं कह पा रहा है कि वह इस प्रदर्शन को दोहरा सकेगी। उल्टे, केरल, तमिलनाडु, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब जैसे राज्यों में इस प्रकार का प्रदर्शन इंडिया द्वारा होना सम्भव बतलाया जा रहा है। जिस हिन्दी पट्टी को लेकर भाजपा–एनडीए बहुत आश्वस्त थे, वहां हर राज्य में उनकी नाव डगमगा रही है। पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, बिहार, तेलंगाना और कर्नाटक में भाजपा पिछले दोनों (2014 व 19) चुनावों के मुकाबले पिछड़ती दिख रही है। इस स्थिति में अनेक ऐसे तथ्य हैं जिन्हें लेकर इंडिया को बहुत सावधान रहने की आवश्यकता होगी। सम्भवतः प्रस्तावित बैठक का यह भी एक महत्वपूर्ण एजेंडा होगाय और यदि न हो तो उसे होना चाहिये। मुश्किल से 2 वर्ष पहले तक भाजपा के बारे में लोगों की यही राय थी कि उसे पराजित नहीं किया जा सकता और मोदी का कोई विकल्प नहीं है। राहुल गांधी की दो भारत जोड़ो यात्राओं, मल्लिकार्जुन खरगे का कुशल नेतृत्व, प्रियंका गांधी की मेहनत, शरद पवार, ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे, अरविंद केजरीवाल, एमके स्टालिन, कल्पना सोरेन आदि के जुझारूपन ने इंडिया को जीत की दहलीज तक लाया है। इसके बाद रह जाती है तो सतर्कता– ईवीएम को लेकर। 543 सीटों वाली लोकसभा के लिये बटन दबी मशीनों को देश भर के जिन हजारों स्ट्रांग रूम में रखा गया है उनकी कक्षों के खुलने तक निगरानी और चौकस निगाहों से वोटों की गिनती उतनी ही आवश्यक है जितनी अब तक की जमीनी दौड़–धूप। सरकार बनाने के लिये भाजपा किसी भी हद तक जा सकती है। यह कहने की भी जरूरत नहीं है। यह भी ख्याल रखना होगा कि अब भी तमाम शासकीय मशीनरी सरकार के अप्रत्यक्ष नियंत्रण में है। कायदे से वह केन्द्रीय निर्वाचन आयोग के तहत है पर उसकी पिछली कार्यप्रणाली ने कह दिया है कि उससे ऐसी कोई आशा न की जाये क्योंकि अपनी निष्पक्षता व स्वायत्तता का तमगा उसने खुद ही निकाल फेंका है। प्रशासन, पुलिस एवं सारी वे एजेंसियां जो नयी सरकार के गठन के वक्त थोड़ी सी भी भूमिका निभाती हैं, उन सभी पर नजर रखनी होगी। एक बात तो साफ हैय और जिसे सभी मान रहे हैं, वह यह कि इंडिया की सम्भावित जीत के बाद भी मोदी व भाजपा की ओर से सारी ऐसी कोशिशें की जायेंगी कि सत्ता उसके हाथ में रहे। ऐसा मानने वालों की तादाद बहुत कम है कि वह बहुत शालीनता व आसानी से सत्ता को जाने देगी। कुछ लोग अनुमान लगा रहे हैं कि त्रिशंकु लोकसभा की स्थिति भी बन सकती है। ऐसे में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जायेगी। देश का यह सर्वोच्च कार्यालय भी मोदी के नियंत्रण में काम करता है– यह बात सामने आ चुकी है। यदि कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर आती है और इंडिया को स्पष्ट बहुमत मिलता है तब तो ठीक है, परन्तु अगर एनडीए के अल्पमत में होने के बावजूद भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर आती है तो उसे राष्ट्रपति पहले आमंत्रित कर सकती हैं। इंडिया को इस बाबत तैयारी कर रखनी होगी। उसे पहले सरकार बनाने का दावा पेश करना होगा। इसी बैठक में पीएम का नाम तय करना इस परिप्रेक्ष्य में रणनीतिक रूप से बहुत जरूरी है वरना बाजी हाथ से निकल जायेगी।

# पाप–पुण्य के रजिस्ट्रार चित्रगुप्त की भूमिका में नरेन्द्र मोदी

**डॉ. दीपक पाचपोर**

पाप–पुण्य की अवधारणा पूरी दुनिया में है। इसका उद्गम धर्म है। प्रकारान्तर से हर धर्म ने पाप क्या है और पुण्य क्या है, इसकी व्याख्याएं अपने–अपने हिसाब से की हैं। जब तक समाज आधुनिक नहीं था तब तक लोगों के अच्छे–बुरे कर्मों की शिनाख्त उस समाज को चलाने वाले धर्म और उसके पुरोहितों व श्रेष्ठी वर्ग के हाथ में थी। यह वर्ग तय करता था कि किसने पाप किये हैं और किसने पुण्य। पापियों को सजा देने और पुण्यकर्मियों को पुरस्कृत करने का काम राजा का होता था। दुनिया का इतिहास उठाकर देखें तो पता चलता है कि सजाओं और पुरस्कार की व्यवस्था में एकरूपता नहीं रही। राज्यों के शासकों के विचारों व उनकी मान्यताओं के अनुसार न्याय व्यवस्थाएं बदलती रही हैं। किसी देश में एक राजा की सत्ता जाने के बाद जब दूसरा राजा गद्दी पर बैठता था तो उस देश की पूरी व्यवस्था बदल जाती थी। यहां तक कि पुत्रों की शासन प्रणाली अपने पिता से अलग किस्म की हुआ करती थी। असली बात यह है कि किसी भी राज्य की न्याय प्रणाली राजा के व्यक्तिगत मत तथा उन्हें प्रभावित करने वाले पुरोहितों, मंत्रियों एवं सेनापतियों के माध्यम से बनती–बिगड़ती रही है। कई बार तो एक धर्म को मानने वाले राजा के पतन के बाद जो अगला गद्दीनशीन होता था उसकी धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप रातों–रात शासन प्रणाली ढल जाती थी। इस व्यवस्था में अनेक दोष थे। पहला तो यही कि मान्यताएं समय–समय पर बदलती रहती थीं। दूसरे यह कि सबके लिये कानून अलग–अलग थे जो पाप व पुण्य का निर्धारण करते हों। तीसरे, अपराधों की व्याख्या भी निश्चित नहीं होती थी। शासकों ने जैसा सोच लिया, वही अंतिम सत्य मान लिया जाता था जिसके खिलाफ न तो सुनवाई हो सकती थी और न ही पुनर्विचार। इस गड्डमड्ड और व्यक्तिगत या कोटरी की सनक से परिचालित न्याय प्रणाली को शनैः शनैः एक सुसंगठित शासन प्रणाली ने स्थानापन्न किया। मध्ययुग से आधुनिक काल आने में ढाई–तीन सौ साल लग गये। लोकतांत्रिक रूप से परिपक्वता हासिल कर चुके देशों में तो इस आधुनिक प्रणाली का प्रकाश जगमगा रहा है लेकिन अनेक देश अब भी मध्ययुग में जी रहे हैं। उसके लिये कहीं अब भी जारी राजतंत्र जिम्मेदार है तो कहीं धर्मराज्य। कहीं सामंती व्यवस्था तो कहीं सामाजिक कारण। भारत को डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का वरदान है जिन्होंने सामंतवादी सामाजिक व्यवस्था के बावजूद रातों–रात एक ऐसी शासन प्रणाली देशवासियों को सौपी जिसके चलते वे मूक प्रजा से अधिकार सम्पन्न नागरिकश बन गये। न केवल शासन प्रणाली बदली वरन समानता, स्वतंत्रता एवं बन्धुत्व के मूल्यों को संविधान में अंतर्गुफित किया गया। यह संविधान एक सुव्याख्यायित व सुपरिभाषित है जिसमें कहीं कोई भ्रम या उलझाव नहीं है। उधर स्वतंत्रता मिलते–मिलते अंग्रेजी शासन व्यवस्था ने भारत में अपराध व न्याय संहिता को भी विकसित व लागू कर ही दिया था। अब देश की लोकतांत्रिक प्रणाली में पाप–पुण्य के लिये जगह बची ही कहां रह गयी है? वैसे भी समाजशास्त्रियों के अनुसार जब तक संगठित कानून नहीं था तब तक लोगों को भयभीत करने और लालच देने के लिये इसका निर्माण हुआ था। ऐसे में समझना होगा कि जब आधुनिक मानकों पर खरी उतरती हुई एक स्वतंत्र और ज्यादातर निष्पक्ष न्यायपालिका है तब भला देश के सर्वोच्च पद पर विराजे हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लोगों को पाप–पुण्य के आधार पर उन्हें वोट देने के लिये प्रेरित करने की जरूरत क्यों आन पड़ी? तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने को आतुर मोदी ने लोकसभा चुनाव के लिये एक प्रचार सभा में जो कहा उसका आशय यह था कि कोरोना काल के बाद शुरू की गयी योजना के अंतर्गत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देकर उन्होंने पुण्य कमाया है। उन्हें वोट देने से लोगों को पुण्य मिलेगा। अप्रत्यक्ष रूप से उन्होंने कह दिया कि जो उन्हें वोट नहीं देगा वह पाप का भागीदार बनेगा। एक तरह से वे लोगों को याद दिलाना चाहते थे कि उन्होंने लोगों के लिये 5 किलो निशुल्क राशन की योजना लाई है जो अगले 5 वर्षों तक जारी रहेगी। यह एक तरह से एहसान जताने जैसा ही है। मोदीजी को इसलिये पाप–पुण्य के पीछे जाकर इस योजना के बाबत लोगों को बताना पड़ा है क्योंकि कुछ अर्से तक तो लोगों ने इसे सुना क्योंकि मोदी इसका बहुत प्रचार करते रहे थे। अब विपक्ष ने इस योजना को लेकर मोदी की कड़ी आलोचना शुरू की है। कई नेताओं ने सवाल करने शुरू किये कि क्या मोदी यह राशन अपने खर्च पर लोगों को दे रहे हैं। लोग यह भी जान गये कि देश में खाद्यान्न भंडार अगर भरे हुए हैं तो यह वर्षों की किसानों की कड़ी मेहनत और पूर्ववर्ती सरकारों की देन है जिन्होंने हरित क्रांति जैसी विभिन्न योजनाओं के जरिये देश को खाद्यान्नों के मामले में आत्मनिर्भर ही नहीं बनाया वरन युद्ध या किसी प्रकृतिक आपदा के अंतर्गत अगर देश में उत्पादन घटे या न हो तो भी देशवासियों के भूखों मरने की नौबत न आए। दूसरे, लोग यह भी जान गये कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने ही नागरिकों को भोजन का अधिकार दिया था। मोदी को 5 किलो मुफ्त राशन का ढिंढोरा पीटने में अड़चन आने लगी जब कांग्रेस ने ऐलान किया कि उनकी सरकार बनी तो हर माह 10 किलो राशन निशुल्क दिया जायेगा। भाजपा के पास इसका तोड़ नहीं है।मोदी के ही साथ पूरी भारतीय जनता पार्टी को परेशानी इसलिये भी है क्योंकि उनका यह अनुमान गलत निकला कि महंगाई व बेरोजगारी के मुद्दे राममंदिर के कारण दब जायेंगे। ऐसा हुआ नहीं। उल्टे, ये मसले लोगों की चिंताओं का सबब और किसी के पक्ष में वोट डालने के लिहाज से विचार करने के प्रमुख आधार बन गये। बामुश्किल 6 प्रतिशत के लिये ही अयोध्या का राममंदिर महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह शायद वह सिलेबस था जिसकी तैयारी मोदी एवं उनकी पार्टी ने परीक्षा हॉल यानी चुनावी अखाड़े में आने के पहले बिलकुल नहीं की थी। मोदी का वह पैंतरा भी काम आता नहीं दिख रहा है जिसमें वे हिन्दू–मुस्लिम कर ध्रुवीकरण करें और बाजी मार ले जायें। हालांकि अब भी वे इसकी कोशिशें कर रहे हैं। कभी वे कहते हैं कि कांग्रेस के घोषणापत्र (न्याय पत्र) पर मुस्लिम लीग की छाया है तो कभी कहते हैं कि श्कांग्रेस की सरकार जनता से सोना लेकर कई बच्चों वाले (मुस्लिम) को बांट देगी। या फिर इंडिया वाले मंगलसूत्र छीनकर मुसलमानों को दे देंगे। मोदी के भाषण ध्रुवीकरण के एजेंडे के बिना पूरे नहीं होते। अपनी प्रचार सभाओं या साक्षात्कारों में विकास को लेकर वे कोई बात नहीं करते। उनका फोकस जहां हिन्दू वोटों के ध्रुवीकरण पर रहा वहीं इंडिया ने उनकी पिच पर जाने से इंकार करते हुए रोजी–रोटी, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के मुद्दे सत्यता व सघनता से उठाये। लोकसभा का एक ही चरण बचा रह गया है जिसमें 57 सीटों पर 1 जून को मतदान होगा। वाराणसी की सीट भी है जिस पर खुद मोदी तीसरी बार प्रत्याशी हैं। स्थानीय एवं राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर कांग्रेस समेत इंडिया सक्रिय है। इतना ही नहीं, विपक्षी गठबन्धन ताकतवर बन चुका है। उनके कई नेताओं को जेल में डालने और वित्तीय संसाधनों की कमी के बावजूद वह भाजपा का डटकर मुकाबला कर रहा है। ऐसे में मोदी चित्रगुप्त बनकर मतदाताओं को उनके पाप–पुण्य गिनाते हुए मतदान केन्द्रों तक ठेलने की कोशिश करें तो आश्चर्य नही।

# 4 जून को लोकसभा के नतीजों से तय होगा नया राजनीतिक समीकरण

**कल्याणी शंकर**

2024 के लोकसभा चुनाव समाप्त हो रहे हैं, और परिणाम 4 जून को आयेंगे। चुनाव के बाद का परिणाम केवल विजेताओं और हारने वालों के बारे में नहीं है। यह केवल प्रत्याशित परिणामों से कहीं अधिक के बारे में है। इसमें अप्रत्याशित गठबंधनों की संभावना, सत्ता की गतिशीलता में नाटकीय बदलाव और नयी राजनीतिक ताकतों का उदय शामिल है, जिनका अभी खुलासा होना बाकी है। चुनाव में भाजपा की संभावित जीत एक महत्वपूर्ण बात है जो राजनीतिक परिदृश्य को नया आकार दे सकती है। हालांकि, परिणाम अनिश्चित है, दो संभावित परिदृश्य हैं, जिनमें से प्रत्येक के निहितार्थ हैं। एक परिदृश्य में भाजपा के लिए भारी जीत की भविष्यवाणी की गयी है, संभवतः 400 से अधिक सीटें भी। दूसरा परिदृश्य कम सीटों के साथ भाजपा के लिए अधिक मामूली परिणाम का संकेत देता है। भाजपा की भारी जीत के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। सबसे खराब स्थिति में, यदि भाजपा कम सीटें जीतती है, तो भी पार्टी अन्य दलों से समर्थन प्राप्त कर सकती है। यदि पार्टी 2019 के चुनाव की तुलना में कमसीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरती है, तो उसके पास कुछ तटस्थ दलों की मदद से सरकार बनाने की वैकल्पिक योजना–ब (प्लान–बी) भी है। कांग्रेस पार्टी द्वारा लिये गये रणनीतिक निर्णय, जैसे चुनाव लड़ने वाले निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या कम करना, भारतीय राजनीति की गहराई और जटिलता को उजागर करते हैं। प्रत्येक कदम एक बड़े लक्ष्य की ओर एक सुविचारित कदम है। शनिवार को लोकसभा चुनाव के छठे चरण के समापन के साथ, कांग्रेस ने दावा किया कि भाजपा की किस्मत श्लगभग तयश है, इंडिया ब्लॉक पहले ही 272सीटों के आधे आंकड़े को पार कर चुका है और कुल 350 से अधिक सीटों की ओर अग्रसर है। भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इंडिया गठबंधन का गठन पिछले साल 26 विपक्षी दलों ने एकजुट होकर मोदी से लड़ने के लिए किया था। हालांकि, अगर भाजपा सत्ता में लौटती है, तो गठबंधन को एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। कुछ साझेदार, जैसे कि तृणमूल कांग्रेस और आप, ने लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के साथ पूरी तरह से गठबंधन नहीं किया है, जिससे इंडिया ब्लॉक की स्थिति कमजोर हो गई है। भाजपा की जीत से इंडिया अलायंस की रणनीति का पुनर्मूल्यांकन हो सकता है, तथा कुछ साझेदार वर्तमान इंडिया गुट से दूरी बनाना चुन सकते हैं। यदि भाजपा अधिक सीटें जीतती है, तो छोटी पार्टियां गठबंधन में शामिल होने के लिए दौड़ सकती हैं। यह भीड़ विजयी पक्ष के साथ जुड़ने की उनकी इच्छा से प्रेरित हो सकती है, जो चुनाव के बाद के परिदृश्य को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, गठबंधन में शामिल होने की यह हड़बड़ी सिर्फ राजनीतिक हितों से प्रेरित नहीं हो सकती है। कुछ दल मोदी का विरोध करना चाहते हैं, जबकि अन्य गठबंधन को एक असफल प्रयास के रूप में देखते हैं। इसके परिणामस्वरूप नवगठित इंडिया गठबंधन कमजोर हो सकता है, क्योंकि इस गठबंधन में कई अच्छे दोस्त हैं जो केवल अपने स्वार्थ के आधार पर किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन कर सकते हैं। भाजपा की अधिक सीटें हासिल करने या अन्य दलों से समर्थन हासिल करने की क्षमता कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। यह राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित कर सकता है, जिससे संभावित रूप से भारतीय गठबंधन सहित राजनीतिक ताकतों का पुनर्गठन हो सकता है। भाजपा ने कुछ महत्वपूर्ण सहयोगियों को खो दिया, जैसे शिवसेना और अन्नाद्रमुक के धड़े। लेकिन पार्टी को 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले टीडीपी वापस मिल गई है। भाजपा नवीन पटनायक, जगन मोहन रेड्डी, के चन्द्रशेखर राव, मायावती और अन्य जैसे प्रभावशाली नेताओं के नेतृत्व वाली पार्टियों से समर्थन मांग सकती है। हालांकि किसी भी गठबंधन के साथ ये अभी शामिल नहीं हैं। इन नेताओं का महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव है और उन्होंने अतीत में भाजपा की मदद की है जब सत्तारूढ़ दल को उनकी जरूरत थी। चुनाव के बाद के परिदृश्य में उनकी संभावित भूमिका राजनीतिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से आकार दे सकती है। अगर इंडिया ब्लॉक का प्रदर्शन खराब रहता है तो शिवसेना का उद्धव ठाकरे गुट और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी भी स्थिति का पुनर्मूल्यांकन कर सकती है। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल महत्वाकांक्षी हैं और उनकी नजर प्रधानमंत्री पद पर है। वह विपक्ष में रहेंगे। केजरीवाल ने भविष्यवाणी की कि अगर 4 जून को मोदी दोबारा जीते तो वह उद्धव ठाकरे, शरद पवार, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को जेल में डाल देंगे। उन्हें भी वापस जेल भेजा जायेगा। केजरीवाल ने भाजपा विरोधी कड़ा रुख अपना लिया है और आप के राजनीतिक भविष्य के लिए उन्हें इस पर कायम रहना होगा। 4 जून के चुनाव नतीजे दिखायेंगे कि चुनाव के बाद का परिदृश्य भारतीय गठबंधन को कैसे प्रभावित करता है, उसे तोड़ता है या मजबूत करता है। वे यह भी संकेत देंगे कि क्या भाजपा अपनी हैट्रिक के साथ और अधिक अहंकारी हो जायेगी? भाजपा की लगातार तीसरी जीत पार्टी को अपने हिंदुत्व कार्यक्रम को और अधिक जोश के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है।

# विशाल मिश्रा की आवाज में `मिस्टर एंड मिसेज माही का नया गाना हुआ रिलीज, अब तक मिले इतने लाख व्यूज

> बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर और अभिनेता राजकुमार राव जल्द ही फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में नजर आने वाले हैं। इस रोमांटिक स्पोर्ट्स ड्रामा मूवी का फैंस बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले इसका पहला गाना 'देखा तेनु' रिलीज किया गया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया।

जान्हवी कपूर और राजकुमार राव इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस रोमांटिक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म के सिनेमाघरों में दस्तक देने से कुछ दिन पहले अब मेकर्स ने इसका दूसरा गाना सैड सॉन्ग रिलीज कर दिया है जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर और अभिनेता राजकुमार राव जल्द ही फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में नजर आने वाले हैं। इस रोमांटिक स्पोर्ट्स ड्रामा मूवी का फैंस बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले इसका पहला गाना 'देखा तेनु' रिलीज किया गया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। अब मेकर्स ने इसका दूसरा गाना 'रोया जब तू' भी जारी कर दिया है। यह इमोशनल सॉन्ग है, जो यूजर्स को अच्छा लग रहा है। जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव का फिल्म शरण शर्मा के निर्देशन में बनी हैं इस फिल्म का दूसरा गाना 'रोया जब तू' बेहद ही इमोशनल है।

मंगलवार को इस गाने का एक छोटा सा वीडियो एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा कि दिल तोड़ देने वाला गाना आउट हो गया है। इस गाने को सिंगर विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी है और कम्पोज भी उन्हीं ने किया है। वहीं, गाने के लिरिक्स विशाल और अजीम दयानी ने मिलकर लिखे हैं। बता दें यह गाना दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। 'मिस्टर एंड मिसेज माही' का निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है। यह मूवी आने वाली 31 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें अभिनेता 'महेंद्र' का किरदार निभाने वाले हैं। वहीं, जाह्नवी के किरदार का नाम महिमा होगा।

## 36 डेज का टीजर रिलीज, खौफनाक अंदाज में नजर आई नेहा शर्मा

इल्लीगल, शाइनिंग विद द शर्मा जैसी वेब सीरीज के बाद एक्ट्रेस नेहा शर्मा इन दिनों 36 डेज को लेकर सुर्खियों में हैं। इस अपकमिंग स्ट्रीमिंग शो का टीजर जारी कर दिया गया है। टीजर में नेहा शर्मा का किरदार रहस्य से भरा हुआ है। जैसे–जैसे कहानी आगे बढ़ती जाती है, उनका किरदार खौफनाक होता जाता है। इसमें हत्या, फरेब, धोखा और बदले का खेल है। टीजर की शुरुआत नेहा के बिकिनी पहने स्विमिंग पूल में उतरने से होती है। वह एक किराएदार है। हर आदमी उनकी खूबसूरती पर मर–मिटने को तैयार है। इस दौरान कुछ लोग उनसे दोस्ती बढ़ाने की कोशिश करते हैं। इस दौरान उनकी मुलाकात ऋषिकेश जयकर से होती है। टीजर में शारिब हाशमी भी नजर आए, जिन्हें नेहा की वाइब्स बेहद अजीब लगती है। यहां से शुरू होता है फरेब का खेल... लोगों को धीरे–धीरे महसूस होने लगता है कि जो वो दिख रही है, वैसी वह है नहीं... अब इस कहानी में नेहा कातिल है या विक्टिम, यह सीरीज के रिलीज होने पर ही पता चलेगा। शो में पूरब कोहली, श्रुति सेठ, चंदन रॉय सान्याल, अमृता खानविलकर, शारिब हाशमी, सुशांत दिवगिकर, शेरनाज पटेल, फैजल राशिद, चाहत विग और केनेथ देसाई अहम रोल में हैं। मेकर्स ने यूट्यूब पर टीजर रिलीज करते हुए कैप्शन में लिखा, हर कहानी के तीन पहलू होते हैं–एक वह, जो आप सोचते हैं, दूसरा वह, जो मैं क्या सोचता हूं और तीसरा वह, जो सच है। लेकिन क्या हो, जब सच दीवारों के पीछे छिपा बैठा हो। विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित, 36 डेज यूके शो 35 डेज का आधिकारिक भारतीय रूपांतरण है। यह एस4सी के लिए बूम सिमरू द्वारा निर्मित है। 36 डेज का निर्माण बीबीसी स्टूडियोज इंडिया के सहयोग से अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है। यह शो सोनी लिव पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। हालांकि मेकर्स ने अभी तक इसके रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया है।

# अमित साध ने शेयर किया ट्रैवल हैक, कहा-जीपीएस को भूल जाओ, प्रकृति में खो जाओ

सुल्तान, ब्रीथ, दुरंगा, काई पो चे जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग के दम पर वाहवाही बटोरने वाले एक्टर अमित साध बाइक से एडवेंचर राइड करने के शौकीन हैं। उन्होंने फैंस के साथ अपना ट्रैवल हैक शेयर किया। एक्टर ने बताया कि उन्हें बाइक पर लॉन्ग राइड पर जाना बेहद पसंद है। अपने फेवरेट डेस्टिनेशन के बारे में बात करते हुए, अमित ने आईएएनएस को बताया, मेरे फेवरेट डेस्टिनेशन में लद्दाख, उत्तराखंड और पंजाब अपने अमेजिंग फूड की वजह से शामिल हैं। उन्होंने कहा, वजन बढ़ जाएगा तो क्या हुआ... उन्होंने यह भी कहा कि वह जिस फिटनेस डाइट को फॉलो करते हैं, उसके मुताबिक वह आश्वस्त हैं कि उनका वजन जल्द ही कम हो जाएगा। एक्टर ने कहा कि कश्मीर में नए खुले इलाके उनके फिल्म सेट के अलावा घूमने के लिए उनकी पसंदीदा जगहें हैं। जब एक्टर से उनके ट्रैवल हैक के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, जीपीएस को भूल जाओ, और प्रकृति में खो जाओ। पिछले साल, अमित ने अपने बिजी वर्क शेड्यूल से छुट्टी लेने का फैसला किया, और देशभर में एक महीने की मोटरसाइकिल ट्रिप पर निकले। इसके तहत उन्होंने 5288 किलोमीटर की दूरी तय की। अपनी बाइक राइड के दौरान, अमित ने हाइवे पर अपने फैंस, किसानों, ग्रामीणों, ट्रक ड्राइवरों और यहां तक कि बालासिनोर के शाही परिवार के साथ बातचीत की और साथ में डिनर भी किया। बता दें कि अमित साध का जन्म 5 जून 1983 को दिल्ली में हुआ था, लेकिन उन्होंने लखनऊ के ला मार्टिनियर कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। उनके पिता राम चंद्र डोगरा नेशनल लेवल हॉकी प्लेयर थे। महज 16 साल की उम्र में उनके सिर से पिता का साया उठ गया। एक इंटरव्यू में अपने संघर्ष के दिनों के बारे में बात करते हुए अमित ने बताया था कि पिता की मौत के बाद उनकी जिंदगी में सबकुछ बदल गया। आर्थिक तंगी के चलते उन्हें पढ़ाई छोड़नी पड़ी और दिल्ली जाकर काम तलाशना पड़ा। यहां वह पैसे कमाने के लिए दूसरों के घर में बर्तन मांजते और चौकीदारी करते। सिर पर छत न होने के चलते वह फुटपाथ पर सोया करते थे। एक दिन अपनी जिंदगी से तंग आकर उन्होंने सुसाइड करने की भी कोशिश की, लेकिन तब एक दोस्त ने उनकी जान बचा ली। 21 साल की उम्र में वह सपनों की नगरी मुंबई आ गए। काफी ऑडिशन देने के बाद उन्हें धारावाहिक क्यों होता है प्यार में काम मिला। इसमें उन्होंने आदित्य का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने सीरीज श्कोहिनूरश में काम किया। वह रियलिटी शोज शबिग बॉस सीजन 1 में नजर आ चुके हैं। यही नहीं, वह नच बलिए और फीयर फैक्टर में भी दिखे। कई सालों तक संघर्ष करने के बाद उन्हें फिल्म काई पो छे में सपोर्टिंग रोल मिला। इसके बाद वह सलमान खान की फिल्म सुल्तान में दिखाई दिए और अक्षय कुमार की गोल्ड में भी शानदार काम किया।

## सनी देओल पर धोखाधड़ी और जबरन वसूली का संगीन आरोप, निर्माता सोरव गुप्ता ने लगाए गंभीर आरोप

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल को लेकर चौंकाने वाली खबर सामने आई है। गदर 2 के तारा सिंह पर धोखाधड़ी और झूठ बोलने का आरोप लगा है। बॉलीवुड निर्माता सोरव गुप्ता ने अभिनेता के खिलाफ धोखाधड़ी, जबरन वसूली और जालसाजी के चौंकाने वाले आरोप लगाए और उन पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। सनडाउन एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सोरव गुप्ता ने दावा किया कि 2016 में उन्होंने सनी देओल के साथ अपनी फिल्म के लिए लीड के तौर पर 4 करोड़ रुपये की फीस पर डील साइन की थी।

निर्माता ने क्या कहा?

निर्माता सोरव गुप्ता ने कहा कि साल 2016 में सनी ने फिल्म साइन की थी और इसके लिए सनी ने उनसे 4 करोड़ रुपये भी लिए थे। सोरव ने आरोप लगाया कि उन्होंने 1 करोड़ एडवांस दिए थे जबकि 2.55 करोड़। लेकिन सनी ने फिल्म शुरू नहीं की और इसके बजाय उन्होंने पोस्टर बॉयज (2017) की शूटिंग शुरू कर दी। सोरव ने आगे कहा कि साल 2023 में सनी ने उनकी कंपनी के साथ फर्जी एग्रीमेंट किया। फिल्म निर्माता ने आरोप लगाया, ''जब हमने एग्रीमेंट पढ़ा तो सनी ने बीच का पेज बदल दिया और फीस की राशि 4 करोड़ से बढ़ाकर 8 करोड़ कर दी गई। इतना ही नहीं, लाभ भी घटाकर 2 करोड़ कर दिया गया।'' निर्माता ने एग्रीमेंट पेपर में अचानक फीस की राशि 4 करोड़ से बढ़ाकर 8 करोड़ करने के लिए सनी देओल के खिलाफ जालसाजी का मामला दर्ज कराया है। सुनील दर्शन ने भी सनी पर लगाया आरोप सोरव गुप्ता के बाद फिल्म निर्माता सुनील दर्शन ने भी सनी पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि गदर 2 अभिनेता ने ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूशन के लिए उनकी फिल्म अजय के अधिकार मांगे थे और केवल आधी राशि का भुगतान किया था। जैसे ही यह खबर सामने आई, सोशल मीडिया पर हलचल मच गई। अभिनेता सनी देओल ने अभी तक इन दोनों मामलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

# लंदन में विक्की कौशल के साथ फैन्स द्वारा वीडियो बनाने की कोशिश के बाद कैटरीना कैफ ने अपना आपा खोया

> बॉलीवुड कपल कैटरीना कैफ और विक्की कौशल इन दिनों लंदन में हैं। हाल ही में इस कपल का एक वीडियो सामने आया, जिसके बाद कैटरीना की प्रेग्नेंसी की अफवाहों ने जोर पकड़ लिया। हालांकि, इन दावों पर अभी तक न तो कैटरीना और न ही विक्की ने खुलकर कुछ कहा है।

बॉलीवुड कपल कैटरीना कैफ और विक्की कौशल इन दिनों लंदन में हैं। हाल ही में इस कपल का एक वीडियो सामने आया, जिसके बाद कैटरीना की प्रेग्नेंसी की अफवाहों ने जोर पकड़ लिया। हालांकि, इन दावों पर अभी तक न तो कैटरीना और न ही विक्की ने खुलकर कुछ कहा है। इसी बीच एक बार फिर यह कपल लंदन की सड़कों पर घूमता नजर आया। विक्की–कैटरीना का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें यह कपल लंदन की सड़कों पर साथ–साथ घूमता नजर आ रहा है। वीडियो में कैटरीना और विक्की हाथ में हाथ डाले चलते नजर आ रहे हैं। इस कपल को ब्लैक आउटफिट में ट्विनिंग करते देखा जा सकता है। विक्की ने ब्लैक हुडी पहनी हुई है, वहीं कैटरीना ब्लैक जैकेट और जॉगर्स में नजर आईं। दोनों साथ में सड़क पार कर रहे थे, लेकिन जैसे ही कैटरीना ने देखा कि कोई फैन उनका वीडियो बना रहा है, तो उन्होंने विक्की को रोक दिया। फिर वे फुटपाथ पर कुछ कदम पीछे हट गए। दोनों का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कैटरीना इस समय लंदन में अपने परिवार के साथ समय बिता रही हैं और खास बात यह है कि उनके पति विक्की कौशल भी वहां उनके साथ हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो कैटरीना कैफ आखिरी बार 'मेरी क्रिसमस' में नजर आई थीं। इस फिल्म में कैटरीना के साथ विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में थे। इससे पहले कैटरीना कैफ सलमान खान के साथ सुपरहिट फ्रेंचाइजी 'टाइगर 3' में नजर आई थीं। वहीं, विक्की कौशल 'सैम बहादुर' में नजर आए थे। विक्की की आने वाली फिल्मों की बात करें तो आने वाले समय में एक्टर रश्मिका मंदाना के साथ छावा, त्रिप्ति डिमरी के साथ बैड न्यूज और आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के साथ लव एंड वॉर में नजर आएंगे।

## क्या सच में जेब में प्याज रखने से नहीं लगती लू? जानें कितनी है इस में सचाई

गर्मी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। ऐसे में सभी को घर से बाहर न निकलने की सलाह दी जा रही है। सिर्फ यही नहीं बल्कि लू से बचने के लिए लोग तरह–तरह के तरीके अपना रहे हैं। कई तो इतने अजीब चीजें भी करते हैं जिसे सुन कर आप भी हैरान हो जाएंगे। जी हां, जैसे इन दिनों लू से बचने के लिए धूप में बाहर निकलने से पहले जेब में एक प्याज रखने को कहा जा रहा है। कहते हैं कि ऐसा करने से लू नहीं लगती। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या जेब में प्याज रखने से सचमुच इस से बचा जा सकता है?

क्या कहता है वैज्ञानिक तथ्य ?

एक्सपर्ट की मानें तो लू से बचने के लिए प्याज एक सही तरीका हो सकता है, लेकिन इसे जेब में रखने से कोई फायदा नहीं मिलेगा। उनका कहना है कि बुजुर्ग लोग गर्मी में बाहर निकलने से पहले जेब में प्याज रखने की सलाह देते थे क्योंकि गर्मी में बाहर रहने पर हम प्याज को अपनी डाइट में शामिल कर बच सकें।

प्याज खाने से होगा फायदा

प्याज में सल्फर और दूसरे अल्कलॉयड्स होते हैं, जो लू में भी बॉडी की हीट को कम करने में मदद करते हैं। प्याज में पानी की मात्रा भी अधिक होती है जो बॉडी में नमी और टेम्परेचर का बैलेंस बनाए रखती है और लू से बचाव करती है। इसलिए इसे डाइट में शामिल करने की सलाह दी जाती है न के जेब में रखने की।

किस तरह करें लू से बचाव?

– लू से बचने का सबसे असरदार तरीका यह है कि आप खूब सारा पानी पिएं। 8–10 ग्लास पानी हर दिन पीने से डिहाइड्रेशन नहीं होगा।

– हीट वेव से बचना है तो घर से जितना हो सके उतना बाहर निकलने से बचें।

– ज्यादा वर्कआउट करने से भी बॉडी का टेंपरेचर बढ़ सकता है। जो हीट स्ट्रोक की वजह बन सकता है। ऐसे में आप गर्मी में ज्यादा वर्कआउट न ही करें तो बेहतर होगा।

– जब भी घर से बाहर जाएं तो खाली पेट बाहर न निकलें, कुछ खाने के बाद ही बाहर जाएं।

– मौसमी फल जैसे तरबूज और खरबूज खाएं। इसके साथ ही आप दही, छाछ और मौसमी फलों के फ्रेश जूस को खूब पिएं।

## नारियल का लड्डू दूर करेंगा हड्डियों का दर्द, नोट करें आसान रेसिपी

अक्सर होता है कि हमे कुछ मीठा खाने का बहुत ही मन करता है। लेकिन घर पर मीठा खाने का कुछ बेहतर ऑप्शन नहीं होता है। तो ऐसे में हम सभी सोचते हैं कि आखिर क्या खाएं। मगर आप ज्यादा चिंता न करे हम आपके लिए लेकर आए नारियल लड्डू की रेसिपी, जो आयरन, फाइबर, प्रोटीन और कैल्शियम जैसी पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। जो शरीर के लिए काफी सेहतमंद रखने में मदद करते हैं। नारियल के लड्डू में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। जिस वजह से हड्डियों के लिए लाभकारी है और पीठ का दर्द भी दूर करता है। चलिए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

नारियल लड्डू की सामग्री

– आधा किलो नारियल

–300 ग्राम बबूल का गोंद

–100 ग्राम – काजू, बादाम, अखरोट, किशमिश

–आधा किलो गुड़

– आधा किलो घी

नारियल लड्डू बनाने की विधि

– सबसे पहले आधा किलो नारियल लेंगे और ऊपर का ब्राउन पार्ट छीलकर उसे घिस लेंगे या आप इसे ग्राइंडर जार में पीस भी सकते हैं।

– गैस ऑन कर उस पर कड़ाही रखें और उसमें आधा कप घी डालें। फिर घी में काजू, बादाम, अखरोट, किशमिश को गोल्डन होने तक भूनें। अब इसमें जो कच्चा नारियल ग्राइंडर से ग्राइंड किया है उसे भी हल्का सुनहरा होने भून लें। अब नारियल को कड़ाही से बाहर निकालें।

– अब आप 300 ग्राम गोंद और आधा किलो गुड़ डालें और उसे मेल्ट होने दे। दोनों को पिघलने तक पकाएं।

– जब तक गुड़ और गोंद मिल्ट हो रहे हैं तब तक रोस्ट किया हुआ ड्राइफ्रूट्स ग्राइंडर में पीस लें। जब गुड़ और गोंद अच्छी तरह मेल्ट हो जाए तो इसमें नारियल का भुना हुआ बुरादा और ग्राइंड किया हुआ ड्राई फ्रूट्स मिलाएं। सब सामग्रियां आपस में अच्छी तरह मिल जाएं तब गैस बंद कर दें।

– लड्डू का मिश्रण हल्का ठंडा हो जाए तब उसे हाथों में लेकर लड्डू बांधना शुरू करें। इसके बाद आप लड्डुओं को कद्दूकस किए हुए नारियल के बुरादा में अच्छे से लपेटे। आपका स्वादिष्ट नारियल लड्डू तैयार है।

## मॉर्निंग वॉक पर जाने के दौरान न करें ऐसी गलितयां, वरना बीमार पड़ सकते हैं आप

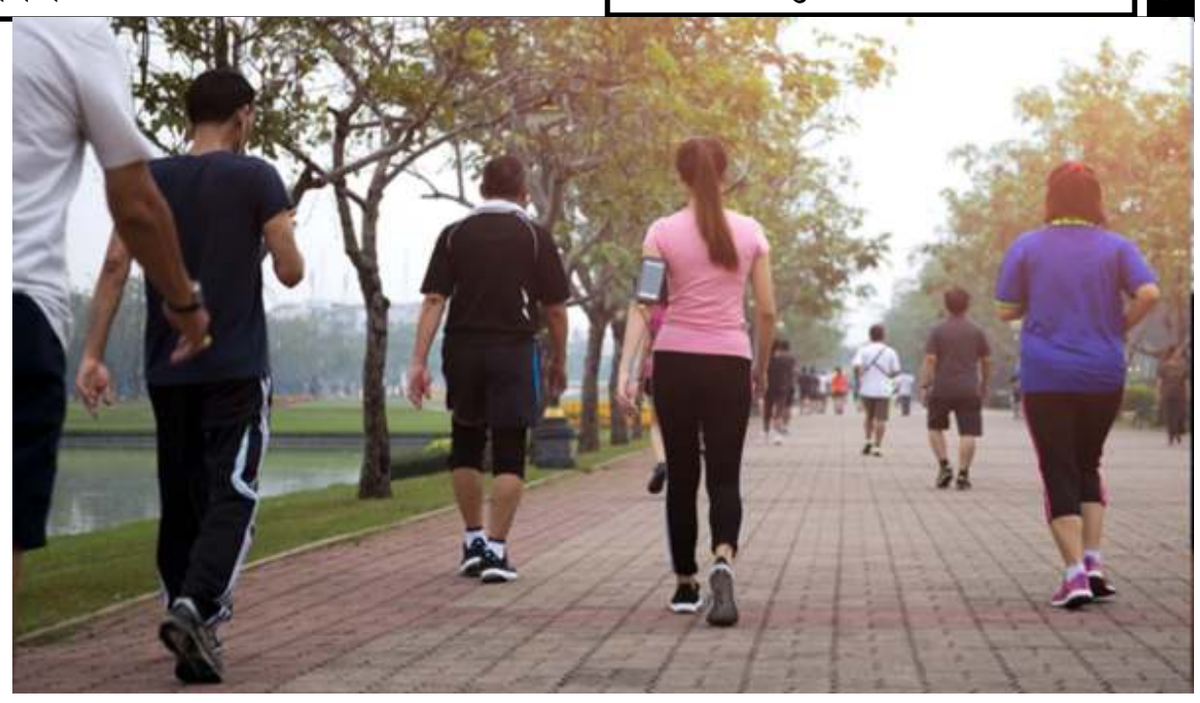

बहुत सारे लोग मॉर्निंग वॉक पर जाते हैं। लेकिन मॉर्निंग वॉक का सही तरीका भी जानना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि गलत तरीके से सैर करना आपको बीमार कर सकता है। मॉर्निंग वॉक सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इससे आपके शरीर को लाभ मिलता है और मांसपेशिया मजबूत होती हैं। साथ ही इससे हड्डियां स्वस्थ रहती है, वेट कंट्रोल में रहता है और दिल स्वस्थ रहता है। लेकिन अगर आप सही तरीके से वॉक नहीं करते हैं, तो यह फायदा की जगह आपको नुकसान पहुंचा सकता है। कुछ लोग मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले नींद पूरी नहीं करते हैं। जिसके कारण बाद में उनको थकान और चिड़चिड़ापन महसूस होता है। साथ ही शरीर को मॉर्निंग वॉक का पूरा फायदा भी नहीं मिल पाता है। इसलिए सही से सुबह की सैर करना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि सुबह की सैर पर जाने से पहले क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए।

न खाएं हैवी खाना

मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले हैवी भोजन करना सेहत के लिए हानिकारक होता है। इससे आपको पाचन संबंधी समस्या हो सकती है। सुबह के दौरान हल्का और पोषणयुक्त भोजन करना चाहिए। आप सुबह दलिया, फल, दही और सेवइयां आदि खा सकते हैं। इससे आपके शरीर को एनर्जी मिलती है और आप सैर के लिए तैयार होते हैं।

पानी जरूर पिएं

सुबह की सैर पर निकलने से पहले थोड़ा सा पानी पीना चाहिए। वॉक के दौरान शरीर में उचित हाइड्रेशन बनाए रखने के लिए पानी पीना चाहिए। सुबह पानी पीने से शरीर की एनर्जी बढ़ती है और आप ज्यादा सक्रिय रहते हैं। इसलिए सैर पर जाने से पहले पानी पीना जरूरी होता है।

सही शूज का चयन

मॉर्निंग वॉक के लिए सही और आरामदायक फुटवियर का चयन बहुत जरूरी है। आपके शूज पैरों के लिए फिट होने चाहिए। सैर के लिए अच्छी ग्रिप वाले शूज चुनना चाहिए। जिससे कि आप फिसलने से बचें। इसके अलावा शूज का सही साइज का होना जरूरी है। जिससे कि आपके पैरों को किसी तरह की दिक्कत न हो।

वार्मअप है जरूरी

बता दें कि सुबह की सैर शुरू करने से पहले वार्मअप करना जरूरी होता है। इससे आपके शरीर की गर्मी बढ़ती है और मांसपेशियां वॉक के लिए तैयार होती हैं। सुबह मॉर्निंग वॉक से पहले 5–10 मिनट वार्मअप करना चाहिए। वार्मअप आपके शरीर को तैयार करने के साथ ही चोट की आशंका को कम करता है। सैर से पहले वॉर्मअप करना सुरक्षित और स्वस्थ सैर के लिए जरूरी माना जाता है।

तेज गति से न करें शुरूआत

हेल्थ एक्सर्पट के मुताबिक मॉर्निंग वॉक का एक तरीका होता है, जिस पर अधिकतर लोग ध्यान नहीं देते हैं। सुबह वॉक पर जाने से पहले थोड़ा पानी पीना चाहिए। फिर कुछ हल्का–फुल्का नाश्ता जैसे– केला, शकरकंद या ओट्स का सेवन करें। पैरों के मुताबिक शूज का चयन करें, जिससे कि वॉक के दौरान दिक्कत न हो। साथ ही शुरूआत में तेज चलने से बचना चाहिए और दूसरों को देखकर मॉर्निंग वॉक नहीं करनी चाहिए। बल्कि अपनी सुविधानुसार वॉक करें और बाद में थोड़ा सा पानी पिएं।

## जरूरत से ज्यादा पानी पहुंचाता है सेहत को नुकसान, जानें सही मात्रा और तरीका

इस समय गर्मी अपने पूरे जोरों पर है। ऐसे में सरकार भी आए दिन लोगों को घर से बाहर न निकलने की सलाह दे रही है। हर रोज नई गाइडलाइंस सामने आ रही है जिसमें बताया गया है किस तरह हम लू से बच सकते हैं। ऐसे में लोग भी हीट वेव ज्यादा होने के कारण पानी को जरूरत से ज्यादा पी रहे हैं। दरअसल, हमारा शरीर लगभग 70: पानी से बना है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक हर एक इंसान को पानी नियमित रूप से पीना चाहिए ताकि ड्राइनेस और डिहाइड्रेशन जैसी परेशानी से बचा जा सके। ऐसे में लोग जोश–जोश में जरूरत से ज्यादा पी रहे हैं जो हमारे लिए बहुत हानिकारक भी साबित हो सकता है। जी हां, पानी हमारे लिए जितना जरुरी है उतना खतरनाक भी हो सकता है। इसलिए जितनी पानी की जरूरत या सही मात्रा हो उस हिस्बा से ही पानी पीना चाहिए। इसी के साथ चलिए अब हम बताते हैं जरूरत से ज्यादा पानी से क्या नुकसान हो सकता है और आपको दिन में पानी की कितनी पात्रा सही है।

शरीर में सोडियम की कमी

कम समय में 3 से 4 लीटर पानी पीने से हाइपोनेट्रिमिया जैसी परिस्थिति उत्पन्न हो सकती है जिसमें खून के अंदर सोडियम की मात्रा कम हो जाती है। ज्यादा पानी पीने से वाटर इंटॉक्सिकेशन जैसी समस्या भी पैदा हो सकती है जिसमें खून के अंदर सोडियम की मात्रा अत्यधिक स्तर पर कम हो जाती है। सोडियम के बिना सेल के अंदर फ्लूइड अनियंत्रित हो जाता है जिससे हमारा दिमाग फूल सकता है। इस परिस्थिति में कोमा या मौत भी हो सकती है।

किडनी को नुकसान

ओवरहाइड्रेशन की वजह से हमारी किडनी को भी नुकसान होता है। दरअसल जब हम अधिक पानी पीते हैं तो इसकी वजह से आर्जिनिन वैसोप्रेसिन का प्लाज्मा स्तर कम हो जाता है। जिसका सीधा असर किडनी की कार्य क्षमता पर पड़ता है। ऐसे में अधिक पानी पीने से बचना आपके लिए बेहद जरूरी है।

डायबिटीज

बार–बार प्यास लगना इस बीमारी का प्रमुख लक्षण है। डायबिटीज की वजह से खून में शुगर की मात्रा बढ़ जाती है, जिसे किडनी आसानी से नहीं छान पाती। यही शुगर यूरिन के साथ बाहर निकलती रहती है। इसकी वजह से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। यही बार–बार प्यास लगने की वजह बनती है।

मस्तिष्क पर होने वाला असर

अगर आपको ओवरहाइड्रेशन है तो इसकी वजह से सोडियम का कम होता लेवल ब्रेन सेल्स में सूजन पैदा हो जाती है। जब ऐसा होता है तो आपको अपनी बात रखने या कहने में दिक्कत होती है, ठीक से चल पाना भी मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा कन्फ्यूजन की समस्या का भी सामना करना पड़ सकता है।

क्या है पानी की सही मात्रा और तरीका?

एक्सपर्ट्स की मानें तो एक व्यक्ति को प्रतिदिन 15.5 कप (3.7 लीटर) और महिलाएं 11.5 कप (2.7 लीटर) पानी का सेवन करना चाहिए। इसके अलावा आयुर्वेद के अनुसार पानी हमेशा घूंट–घूंट कर पीना चाहिए। ऐसा इसलिए जरूरी है ताकि यह बॉडी के टेंप्रेचर के मुताबिक शरीर में पहुंचे। एक साथ ही सारा पानी पीना हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है।

## डैंड्रफ से हो गए हैं परेशान तो अपनाएं ये नुस्खा, हेल्दी और शाइनी होंगे बाल

बालों में डैंड्रफ की समस्या होना वैसे तो आम बात है। लेकिन सर्दियों में यह समस्या अधिक बढ़ जाती है। हालांकि इससे निपटने के लिए लोग कई तरीके भी अपनाते हैं। लेकिन फायदा नहीं मिलता है। ऐसे में अगर आप भी डैंड्रफ की समस्या से परेशान हैं, तो हम आपको एक घरेलू नुस्खा बताने जा रहे हैं। इस उपाय को अपनाने से न सिर्फ बाल खूबसूरत दिखेंगे बल्कि डैंड्रफ की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा। बता दें कि कई बार मौसम की मार या गलत हेयर प्रोडक्ट के इस्तेमाल से भी डैंड्रफ की समस्या होने लगती है। ऐसे में यदि इसका समय पर इलाज न किया जाए, तो स्कैल्प में एलर्जी हो जाती है और बाल झड़ने लगते हैं। ऐसे में आप यह नुस्खा अपना कर अपने बालों की केयर कर सकते हैं।

सर्दियों में होता है डैंड्रफ

हर बदलता मौसम अपने साथ ढेरों खुशियों के साथ अलावा तमाम परेशानियां भी लेकर आता है। सर्दियों में अक्सर हम सभी गर्म पानी से नहाते हैं तो यह हमारी त्वचा के साथ स्कैल्प से ऑयल खत्म करता है। इसकी वजह से स्कैल्प ड्राई होना शुरू हो जाती है। ड्राई स्कैल्प पपड़ी का रूप लेकर जलन पैदा करता है और कई बार बाल झड़ना शुरू होता है। यह बालों की खूबसूरती को कम करने लगता है।

कौन सी चीजें जिम्मेदार

ड्राई या ऑयली स्कैल्प ही नहीं बल्कि मलेसेजिया और सेबोरहाइक जैसे फंगल इंफेक्शन के कारण भी डैंड्रफ होता है। कई बार ऐसा हार्मोनल परिवर्तन की वजह से भी ऐसा होता है। वहीं हेल्दी डाइट आयरन ,फाइबर, प्रोटीन और हेल्दी फैट्स की कमी के कारण भी बाल कमजोर होने लगते हैं और स्कैल्प पर पपड़ी जमनी शुरू हो जाएगी। ऐसे में कुछ नेचुरल उपाय अपनाकर आसानी से डैंड्रफ की समस्या से छुटकारा पा सकती हैं।

कपूर से बनाएं हेयर ऑयल

हेयर ऑयल को बनाने के लिए 2–3 भीमसेनी कपूर को अच्छे से क्रश करें। बाउल में डालकर इसमें नींबू का रस मिक्स करें। फिर एक कप के करीब गरम नारियल तेल में इसे मिक्स कर लें। अब इसको सप्ताह में तीन दिन बालों में अप्लाई करें और किसी माइल्ड शैंपू से बालों को धो डालें। इससे आपको काफी आराम मिलेगा।

दूर होगा डैंड्रफ

भीमसेनी कपूर में एंटीफंगल प्रॉपर्टीज पाई जाती हैं, जो फंगस की ग्रोथ को रोकने में सहायक होती है। साथ ही इसमें कूलिंग प्रॉपर्टीज स्कैल्प को ठंडक पहुंचाती है और जलन को कम करता है। इसको बालों में अप्लाई करने से यह हेयर फोलिकल्स को खोलता है और बालों की ग्रोथ में सहायक होता है। नींबू के रस में एसिडिक प्रॉपर्टीज की वजह से स्कैल्प के पीएच लेवल को बैलेंस रखकर फंगस की ग्रोथ को रोकता है।

## तिनसुकिया गोलाघाट की मई माह की काव्य गोष्ठी संपन्न

तिनसुकिया गोलघाट । शहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट की मई महीने की महिला काव्य गोष्ठी शाखा अध्यक्ष. रंजना बिनानी की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।

इस काव्यगोष्ठी की ।सइनउ अतिथि राधा बिनानी एवं विशिष्ट अतिथि अर्चना जायसवाल सरताज रही।

यह काव्य गोष्ठी प्रातः 11 बजे से ऑनलाइन रखी गई। काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता रंजना बिनानी द्वारा की गई ।मां सरस्वती की मूर्ति स्थापना ,दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण रंजना बिनानी काव्या द्वारा किया गया।

काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन आ. सरला बजाज ने किया। मां सरस्वती की वंदना सीमा सिंघी द्वारा प्रस्तुत की गई।

इस काव्य गोष्ठी में ....

सरला बजाज, रंजना बिनानी, सीमा सिंघी, भगवती बिहानी, पूनम अग्रवाल , मीना नागोरी जी द्वारा बहुत सुंदर सुंदर प्रस्तुतियां दी गई । सभी की रचनाएं एक से बढ़कर एक थी। प्रत्येक माह गोलाघाट असम शाखा द्वारा काव्य गोष्ठी का सफलतम आयोजन किया जाता है और सभी की उपस्थिति सराहनीय रहती है ..इस बार भी आप सब की उपस्थिति ने आयोजन में चार चांद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन शाखा अध्यक्षा रंजना बिनानी द्वारा दिया गया।

## उ.प्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग के सबसे बड़े एमओयू प्रोजेक्ट डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक की शुरुआत

### लखनऊ के ग्राम पिपरसंड में शुरू हुयी प्रदेश की पहली डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार के साथ निवेश को लेकर हुये एमओयू के बाद राज्य के ग्रामीणों को बेहतर चिकित्सा परामर्श और जरूरी टेस्ट की सुविधा उपलब्ध कराने के लिये डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक परियोजना की शुरूआत आज यहां ग्राम पिपरसंड, सरोजनीनगर में हो गयी। योगी सरकार की पहल पर इस परियोजना के अन्तर्गत शुरू हुयी इस पहली डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक का उद्घाटन परियोजना को तैयार कर धरातल पर लाने वाली ओब्डू ग्रुप के सीईओ संजय कुमार ने किया। इस मौके पर ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य व श्री कन्छिद सिंह सहित कई प्रमुख लोग मौजूद थे। सीईओ संजय कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश की प्रत्येक ग्रामीणों तक बेहतर चिकित्सा व जरूरी टेस्ट की सुविधा उपलब्ध कराने के लिये राज्य के सभी ग्राम पंचायतों में डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक स्थापित की जा रही है। जिसके क्रम में डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक की शुरूआत आज 30 मई से उत्तर प्रदेश की राजधानी के पिपरसंड से की जा रही है। इसके उपरान्त लखनऊ के मॉल के नरायनपुर ग्राम पंचायत में दूसरी क्लीनिक भी खुलने के लिये पूरी तरह तैयार है। इस क्लीनिक के शुरू होने से पिपरसण्ड ग्राम पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणों को चिकित्सकों के द्वारा ऑनलाईन परामर्श के साथ सभी प्रकार के फीवर प्रोफाइल जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, लिवर फंक्शन, शुगर पीलिया आदि जरूरी टेस्ट के साथ अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध होगी। मौके पर ही तीन से पांच मिनट में टेस्ट रिपोर्ट उपलब्ध होने के आधार पर दवाईयां भी उपलब्ध करायी जायेगी। अवगत करा दे कि उत्तर प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य विभाग का सबसे बड़ा समझौता ज्ञापन ओब्डू ग्रुप के साथ किया था जो कि डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक परियोजना के लिए है इस परियोजना में होने वाला निवेश 3350 करोड़ है। पुरा प्रोजेक्ट 10,000 करोड़ का है जिस को प्रथम चरण में 3350 करोड़ के एमओयू के साथ किया जा रहा है। यह परियोजना ग्रामीण तथा सुदूर क्षेत्र के स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करेगी, जिससे झोला छाप डॉक्टरों की लापरवाही से होने वाली मृत्यु दर को काम किया जा सकेगा। इसके साथ ही डॉक्टरों की लापरवाही से होने वाले मृत्यु दर को अब काम किया जा सकेगा और उन्होंने बताया कि डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक न केवल ग्राम पंचायत तक सीमित रहेगी बल्कि ब्लॉक स्तर पर भी 20 से 50 बेड के अस्पताल बनाकर ग्रामीणों को सरकारी योजनाएं जैसे आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिया जाएगा डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक परियोजना न केवल उत्तर प्रदेश की बल्कि ऐसिया की पहली योजना है जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकी का इस्तेमाल करके ग्रामीण तथा सुदूर क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है। क्लीनिक पर मरीजों की केयर करने के लिए अटेंडेंट भी मौजूद रहेंगे।

## जैन श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का समापन

लखनऊ, एजेंसी। गोमती नगर जैन मन्दिर में श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्वाधान में आयोजित गुरु उपकार श्रावक संस्कार शिविर जो की 10 दिन से चल रहा था,आज गुरुवार को सम्पन्न हो गया ,पंडित अनुज जैन शास्त्री एवं पंडित अरिहंत शास्त्री के द्वारा जैन धर्म के ग्रंथ छः ढाला का ज्ञान कराया गया और उसकी परीक्षा भी ली गई,जिसमे बढ़ों में प्रथम स्थान रज्जो जैन, द्वितीय गजेन्द्र, तृतीय मनीषा ने प्राप्त किया। बच्चों में प्रथम वैभवी, द्वितीय आरोही, तृतीय अंश जैन ने प्राप्त किया ।

## चांद की ओर

विकास के इस युग में
हम क्या बातें करें
एक तरफ एक स्त्री की सफलता
के योगदान का प्रतिफल चंद्रयान 3 का चांद की ओर भेजा जाना है
दूसरी तरफ धरती पर स्त्री की इज्जत को धूल धूसरित किया जाना है ।
हर प्रश्न के उत्तर में स्त्री खड़ी है
हर युग में स्त्री छली गयी है
कभी युद्ध के कोण में खड़ी है
कभी प्रेरणा का स्त्रोत भी बनी है ।
आज का युग उसकी खुद की लड़ाई है अपनी इज्जत,सम्मान खुद ही
बचानी है नहीं आयेंगे कोई कन्हायी
चीर बढ़ाने को
स्वाभिमान,मान,सम्मान को चीखकर–चीखकर खुद को बचानी है

प्रोफेसर (डॉ) सविता कुमारी श्रीवास्तव

# पत्रकारों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं, अखिलेश मिश्र

नैनी, प्रयागराज।

हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन की ओर से नैनी स्थित संस्कार सदन में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें पत्रकारिता के क्षेत्र में आने वाली विभिन्न समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के जिलाध्यक्ष अखिलेश मिश्र ने किया। राष्ट्रीय संयोजक जगदम्बा प्रसाद शुक्ल मुख्य अतिथि तथा प्रयागराज जर्नलिस्ट एसोसिएशन के संयोजक गजेन्द्र प्रताप सिंह व उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आशुतोष प्रसाद शुक्ल विशिष्ट अतिथि के रूप

में मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन उज्ज्वल मिश्रा ने किया। अपने उद्बोधन में गजेन्द्र सिंह ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पत्रकारिता करना चुनौती भरा कार्य है। सोशल मीडिया पर तमाम भ्रामक खबरें फैलाई जाती हैं इसलिए समय समय पर पत्रकारों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना चाहिए। आशुतोष शुक्ल ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे महत्वपूर्ण स्तम्भ हैं। ऐसे में पत्रकारों को निर्भीकता और सच्चाई से अपना कार्य करना चाहिए। मुख्य अतिथि जगदम्बा शुक्ल ने हिंदी पत्रकारिता के जनक, हिंदी के पहले अखबार उदन्त मार्तण्ड के संपादक जुगलकिशोर शुक्ल के जीवनवृत्त पर प्रकाश डालते हुए पत्रकारों से निष्ठापूर्वक कार्य करने पर जोर दिया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में अखिलेश मिश्र ने पत्रकारों से ईमानदारी व निर्भीकता से काम करने का आवाहन किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के साथ हुए किसी भी प्रकार के उत्पीड़न को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संगठन पत्रकारों के हित में कार्य करने के लिए कटिबद्ध है। बैठक को उज्ज्वल मिश्र, पवन तिवारी, बी पी तिवारी आदि ने भी संबोधित किया। बैठक में क्षेत्रीय पत्रकार मौजूद रहे।

# मीडिया के इस युग में पत्रकारिता के समक्ष कई कठिन चुनौतियां: बेशरम

करछना।वर्तमान मीडिया के इस युग में विविध सामाजिक संदर्भों और विमर्शों से जुड़कर नए आयाम की ओर बढ़ रही पत्रकारिता के समक्ष कई कठिन चुनौतियां हैं। राष्ट्रधर्म और कर्म के प्रति समर्पित पत्रकार बन्धुओं को चाहिए कि वह पत्रकारिता की अवधारणा और मान्यताओं के साथ पूर्ण निष्ठा और सुचिता को लेकर समाज के भरोसे पर खरा उतरने का प्रयास करें। जिससे पत्रकारिता की गरिमा के साथ–साथ लोकतंत्र का चौथा स्तंभ निष्पक्ष रूप से अपने उद्देश्यों को पूरा करता रहे। यह बातें विश्व पत्रकारिता दिवस के मौके

पर ए.सी.आई टी. साधु कुटी, करछना में लेखक,पत्रकार, लोककलाकार एवं आकाशवाणी,दूरदर्शन से जुड़े चर्चित हास्य कवि अशोक श्बेशरमश्ने कहीं। उन्होंने कहा कि अतीत में कई स्वनामधन्य पत्रकारों ने देश की पत्रकारिता के विस्तृत कैनवास पर अपने को स्थापित किया है।आज के युवा पत्रकारों के लिए खास तौर से ऐसे लोगों की सोच,पत्रकारिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता,कर्तव्यनिष्ठा,समर्पण के साथ–साथ उनके कृतित्व से भी सीख लेने की जरूरत है। इस संदर्भ में अपनी लेखनी और प्रस्तुतियों को लेकर समाज को जागृत करने वाले हमारे कवि,कलाकार और साहित्यकारों की भूमिका भी इस चौथे स्तम्भ से कहींअलग

नहीं है। पत्रकारिता के क्षेत्र में आज जब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया,प्रोफाइल,विजुअल, अल्बम के एक नए धरातल का विस्तार हो रहा हो तो,ऐसे में प्रिंट मीडिया को विशेष रूप से एक नए संकल्प के साथ सच्ची परख,सजगता और निर्भीकता से जुड़ी कलम की असली ताकत को कायम रखना बहुत जरूरी है।

# गर्मी से लखनऊ के 3 बड़े अस्पतालों की इमरजेंसी फुल, ओपीडी में महिलाओं का हंगामा

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में गर्मी के कारण बड़ी संख्या में डायरिया, डिहाइड्रेशन की समस्या लोगों में हो रही है। शरीर में पानी की कमी, तेज बुखार, चक्कर आना जैसी शिकायतें भी मरीजों में आ रही है। जिले के अस्पतालों में हीट वेव की चपेट में आने वाले मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। बलरामपुर वीरांगना अवंतीबाई महिला चिकित्सालय की ओपीडी में महिलाओं का हंगामा भी देखने को मिला। महिलाओं का कहना है कि लोग सुबह से लाइन में लगे हैं। अंदर अल्ट्रासाउंड की पर्ची 200–400 लेकर ब्लैक में दी जा रही है। गुरुवार को लखनऊ के 3 बड़े सरकारी अस्पताल, लोकबंधु अस्पताल, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल और बलरामपुर अस्पताल की पड़ताल की तो कई चौंकाने वाली तस्वीरें सामने आई। सबसे पहले सुबह 8 बजे हम लोकबंधु अस्पताल पहुंचे। यहां की ओपीडी में सुबह 8 बजे से मरीजों की भीड़ रही। इनमें सबसे ज्यादा गर्मी और लू की चपेट में आने वाले मरीज हैं। इन्हें उल्टी, दस्त के अलावा बुखार, बदन दर्द के भी लक्षण हैं। साथ ही कई मरीज रूटीन इलाज के चलते अस्पतालों का रुख कर रहे हैं। झुलसने वाली धूप से बचने के मकसद से सुबह से ही मरीज अस्पतालों का रुख कर रहे हैं। अस्पताल की इमरजेंसी लगभग फुल हो गई है। चेकअप के बाद डायरिया जैसे लक्षण के कई मरीजों को इंजेक्शन लगाया जा रहा है। लेकिन बड़ी संख्या में लोग इमरजेंसी के बाहर स्ट्रेचर पर भी हैं। हालांकि अस्पताल के वार्ड में अभी भर्ती मरीजों के लिए रिजर्व बेड फुल नही हैं। ईएमओ के मुताबिक हीट स्ट्रोक जैसे लक्षण, ब्लड प्रेशर, सिरदर्द, चक्कर वाले मरीज अधिक पहुंच रहे हैं। इमरजेंसी में कुछ देर इलाज के बाद मरीजों को वार्ड में शिफ्ट किया जा रहा है। अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजीव दीक्षित ने बताया कि गर्मी के कारण मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ हैं। अभी हालत नियंत्रण से बाहर नहीं है। सिर्फ सतर्कता बरतने की जरूरत है। पिछले 24 घंटे में भीषण गर्मी की चपेट में आने के बाद बेहाल होकर गंभीर हालत में 68 मरीज अस्पताल पहुंचे थे। इन्हें तत्काल भर्ती किया गया। हीट वेव और हीट स्ट्रोक के पेशेंट के लिए अलग से वॉर्ड बनाया गया है। कोल्ड रूम भी तैयार है। ऐसे मरीजों के इलाज के लिए कोल्ड स्पनजिंग की भी व्यवस्था है। मरीज के साथ तीमारदारों को भी वै के पैकेट उपलब्ध कराए जा रहे है। लखनऊ के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल के सीएमएस के डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि गर्मी की चपेट में आने के बाद बड़ी संख्या में मरीज सिविल अस्पताल पहुंच रहे हैं। उल्टी, लूज मोशन और कमजोरी के मरीज बढ़े हैं। 24 घंटे में 52 मरीज अस्पताल की इमरजेंसी में लाए गए हैं। इनमें 23 मरीज बेहद गंभीर हालत में थे। जिन्हें तत्काल भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। बलरामपुर अस्पताल के निदेशक डॉक्टर पवन अरुण ने बताया कि भीषण गर्मी का प्रकोप है। बड़ी संख्या में हीट वेव की चपेट में आने के मरीज अस्पतालों का रख कर रहे हैं। अभी तक कोई हीट स्ट्रोक का पेशेंट नही आया हैं। 24 घंटे में ऐसे 39 गंभीर मरीजों में भर्ती किया गया हैं। इनमें डिहाइड्रेशन और डायरिया जैसे लक्षण थे। ड्रिप चढ़ाने के बाद इन मरीजों की तबियत में सुधार हैं।

# मतदान समाप्ति के तत्काल बाद उत्तर प्रदेश में एक और टैक्स थोपने की तैयारी

## वाहनों पर लगेगा भारी– भरकम "सड़क सुरक्षा सेस", भाकपा ने सभी से प्रबल विरोध करने की अपील की

लखनऊ, एजेंसी। मतदान के आखिरी दिन– 1 जून के बाद किसी भी दिन उत्तर प्रदेश वासियों की पाकिट पर बुलडोजर चलने जा रहा है। सावधान हो जाइये आपके वाहन पर एक और नया टैक्स–"सड़क सुरक्षा सेस" लगाने की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इंतजार है तो बस आपके वोट के म्टड में बन्द हो जाने का। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी उत्तर प्रदेश सरकार की इस तुगलकी योजना को सिरे से खारिज करती है और इस जनविरोधी प्रस्ताव को रद्दी की टोकरी में डालने की मांग करती है। भाकपा प्रत्येक पार्टी और हर नागरिक से अपील करती है कि उत्तर प्रदेश सरकार के इस

प्रस्तावित कदम का पुरजोर विरोध करें। इस प्रस्तावित टैक्स गहरी आपत्ति जताते हुये भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य एवं राज्य प्रभारी डा० गिरीश ने कहा कि वाहनों और यात्रा पर फले से ही दर्जन भर टैक्स लगा चुकी डबल इंजन सरकार अब वाहन स्वामियों और मुसाफिरों की जेब पर डाका डालने को एक और टैक्स थोपने की तैयारियों में जुटी है। यहां जारी एक प्रेस बयान में डा० गिरीश ने कहा कि परिवहन विभाग के सूत्र बताते हैं कि उत्तर प्रदेश के वाहनों पर सड़क सुरक्षा सेस लगाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। 1 जून को होने वाले आखिरी मतदान के बाद इसे अंतिम रूप देकर किसी भी दिन शासन के पास भेज दिया जायेगा। इस प्रस्ताव के पीछे भगवा सरकार की अफसरशाही का तर्क है कि वाहनों के बढ़ते दबाव से प्रदेश भर की सड़कें टूटती हैं। सड़क सुरक्षा सेस के जरिये बसूले जाने वाले राजस्व से टूटी सड़कों का मेंटीनेन्स तत्काल होता रहेगा। सवाल यह उठता है कि सड़कों के निर्माण और मरम्मत के नाम पर केंद्र और राज्य सरकारें कोई एक दर्जन टैक्स लगा कर वाहनस्वामियों और यात्रा करने वालों की जेब से जब अरबों खरबों रुपये निकाल रही हैं, तो एक और नया टैक्स क्यों? जब केंद्रीय परिवहन मंत्री दावा करते हैं कि उनके पास धन की कोई कमी नहीं है, तो उपभोक्ताओं पर यह एक और कुठाराघात क्यों? हम बार बार यह सवाल उठाते रहे हैं कि भाजपा सरकार एक देश एक टैक्स की बात करती है मगर वाहन और यात्रा पर कई कई भारी भरकम टैक्स लगाये हुये हैं। वाहन खरीद को ही लें तो इस पर अच्छी भली जीएसटी देनी होती है, फिर भारी रोड टैक्स और इंश्योरेंस। वाहनों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी, जीएसटी, सेस और स्थानीय टैक्स देने पड़ते हैं। इन सभी टैक्सों से बसूले धन से बनने वाली सड़कों पर फिर जबर्दस्त टोल टैक्स बसूला जाता है। और जब इतने से भी सरकार का पेट नहीं भरता तो स्पीड सीमा निर्धारित कर दो हजार की पैनल्टी बसूली जाती है। इतना ही नहीं आए दिन 'नंबर प्लेट्स' संबंधी नियम बदल दिये जाते हैं और बदलने के ठेके निजी कंपनियों को दे दिये जाते हैं जिसकी कीमत और प्रदूषण के नाम पर अलग टैक्स देना होता है। नए मोटर वाहन कानून के जरिये भारी अर्थदण्ड और कड़ी सजा के प्रावधान सरकार द्वारा किए जा चुके हैं जिन्हें जनदबाव के कारण फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल रखा है। डा० गिरीश ने खुलासा किया कि प्रस्तावित सड़क सुरक्षा सेस की दरें भी काफी हैरान करने वाली होंगी, जिससे करदाता हिल कर रह जायेंगे। सूत्रों के अनुसार छोटे वाहनों पर एक प्रतिशत, तो भारी वाहनों पर दो प्रतिशत सेस बसूलने की योजना है। इसका मतलब यह हुआ कि किसी कार की कीमत यदि दस लाख रुपये है तो उस पर दस हजार रुपये और किसी कार या भारी वाहन की कीमत यदि 50 लाख है तो उसे 50 हजार रुपये सेस देना होगा।

## संक्षिप्त

### यूपी एसटीएफ को मिली बड़ी सफलता, महाराष्ट्र से गोवंश की तस्करी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में गोवध कानून के तहत कई अपराधों में वांछित 25 वर्षीय आरोपी को महाराष्ट्र के ठाणे जिले से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। स्थानीय अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दिलीप पाटिल ने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी समीर तुफैल कुरेशी ठाणे के मुंब्रा इलाके में छिपा हुआ है और उन्होंने यहां अपने समकक्षों से मदद मांगी। आरोपी पर 50,000 रुपये का इनाम है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, लखनऊ से विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की टीम आरोपी की तलाश में ठाणे आई। उन्होंने कहा, स्थानीय अपराध शाखा के अधिकारियों की मदद से उन्होंने आरोपी को मुंब्रा के शिमला पार्क इलाके की एक दुकान में खोजा और मंगलवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी को उत्तर प्रदेश ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी पर गोवध कानून और शस्त्र अधिनियम के तहत आठ मामले दर्ज हैं। यूपी एसटीएफ को मिली बड़ी सफलता, गोवंश की तस्करी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार, एसटीएफ ने 50 हजार रुपए के इनामी को किया गिरफ्तार, आरोपी समीर को महाराष्ट्र के ठाणे से किया गिरफ्तार, एसटीएफ की दबिश के दौरान समीर के साथी हुए फरार, आरोपी समीर के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज।

### यूपी मदरसा बोर्ड का रिजल्ट जारी, 88.50 फीसदी छात्रों ने पास की परीक्षा

लखनऊ, एजेंसी। यूपी मदरसा बोर्ड का रिजल्ट वेबसाइट पर जारी हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में 114723 मदरसा छात्रों ने परीक्षा में भाग लिया था। इनमें से 101602 छात्र–छात्राओं ने मदरसा बोर्ड की परीक्षा पास की है। जारी नतीजों में छात्राओं ने छात्रों के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन किया है। नतीजों में 90. 3 फीसदी छात्राएं पास हुई हैं, जबकि 86.7 फीसदी छात्र परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार 88.50 फीसदी छात्र–छात्राएं इस बार के नतीजों में पास हुए हैं। मदरसा बोर्ड के चेयरमैन डॉ इफ्तिखार अहमद जावेद ने छात्र–छात्राओं को शुभकामनाएं दी हैं।

### 1 जून को दिल्ली में इंडिया गठबंधन की अहम बैठक, अखिलेश यादव होंगे शामिल

लखनऊ, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण यानी 1 जून को दिल्ली में इंडिया गठबंधन की एक अहम बैठक होने जा रही है। इस बैठक में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव शामिल होंगे। इंडिया गठबंधन के सभी नेता मिलकर आगे की रणनीति तैयार करेंगे। माना जा रहा है कि बैठक में ममता बनर्जी और केसीआर को मनाने की जिम्मेदारी अखिलेश यादव अपने हाथ में लेंगे। बता दें कि लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले इंडिया गठबंधन की अहम बैठक होगी। गठबंधन को पूरा भरोसा है कि इस बार वह केंद्र में सरकार बनाने की स्थिति में होंगे। उन्हें तृणमूल कांग्रेस और बीआरएस का साथ मिलने की भी पूरी उम्मीद है। इंडिया के रणनीतिकारों का मानना है कि यूपी में गठबंधन को उनकी उम्मीद से अधिक मतदाताओं का समर्थन मिला है। उनका दावा है कि गठबंधन 35 से ज्यादा सीटें जीतेगा। इंडिया गठबंधन ने यह बैठक दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के दो जून को जेल जाने से पहले बुलाई है। इस बैठक में अखिलेश यादव शामिल होंगे और समान विचार वाले दलों को अपने साथ मिलाने की रणनीति तैयार करेंगे। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव (केसीआर) से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बेहतर रिश्ते जगजाहिर हैं। सपा प्रमुख ने तेलंगाना के विधानसभा चुनाव में बीआरएस के लिए अपना प्रचार रथ भेजा था। केसीआर ने लोकसभा चुनाव बसपा के साथ मिलकर लड़ा है। सपा ने गठबंधन में शामिल नहीं होने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस को यूपी की भदोही लोकसभा सीट दी है।

### होटल हयात में एफएसडीए का छापा

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के हायत होटल में एफएसडीए की टीम ने सैंपल की जांच करने पहुंची। एफएसडीए की टीम ने होटल के रेस्टोरेंट में बन रहे खाने और सील बंद खाने के सभी प्रोडेक्ट की जांच की। इसके बाद खाने के तीन सैंपल लिए। जिसमें दही, चटनी और पनीर शामिल हैं। बीती रात बुधवार को गोमती नगर के रहने वाले व्यापारी जोगिंदर ने शिकायत की परिवार के साथ खाना खाने गए। खाना खाने से उनके परिवार की तबीयत खराब हो गई। इसके बाद एफएसडीए में शिकायत की है। एफएसडीए अधिकारी ने बताया कि हयात होटल में बुधवार को एक व्यापारी परिवार के साथ खाना खाने गए थे। खाना खाने के बाद उनकी तबीयत खराब हो गई थी। जिसकी शिकायत के बाद गुरुवार को एफएसडीए की एक टीम हयात होटल पहुंची। एफएसडीए की टीम ने पनीर, चटनी और दही तीन सैंपल भरे गए हैं। जिसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

### भीषण गर्मी से युवक की मौत,काम से लौटते समय सड़क पर गिरा

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में भीषण गर्मी एक और मौत हो गई। गुरुवार को काम से लौटते समय एक युवक इंदिरा नगर के अबरार नगर में सड़क पर गिर पड़ा। थोड़ी देर के बाद उसकी मौत हो गई। युवक अबरार नगर का रहने वाला है। सूचना के बाद घर वाले मौके पर पहुंचे। शव को घर लाया गया। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। गुरुवार को लखनऊ का तापमान 44 डिग्री के भी ऊपर पारा दर्ज किया गया। दोपहर तीन बजे पारा 43 डिग्री के पार पहुंच गया। अधिकतम तापमान 43 डिग्री और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री रहने का अनुमान है। गुरुवार सुबह से मौसम रहा, लेकिन दिन में कई बार बादल छाए रहने और हल्की बारिश का भी अनुमान है। उमस भरी गर्मी महसूस होगी। दोपहर के समय पारा अधिकतम स्तर पर रहेगा। इससे पहले बुधवार दोपहर ढाई बजे अचानक थोड़ी देर के लिए मौसम बदल गया था। गोमती नगर और इंदिरा नगर इलाके में बूंदाबांदी हुई थी, लेकिन उमस भरी गर्मी से राहत नहीं मिली। बीते चार दिनों से 43 डिग्री से ऊपर पारा पहुंच रहा है। मई में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री तक बढ़ गया। इससे वार्म नाइट की स्थिति रही। बुधवार को अधिकतम तापमान 43.7 रहा, जो सामान्य न्यूनतम तापमान से 3.6 डिग्री अधिक रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 29.4 डिग्री रहा। यह सामान्य न्यूनतम तापमान से 3.9 डिग्री ज्यादा रहा।

## संक्षिप्त

### ईरानी सेना की गोलीबारी में चार पाकिस्तानियों की मौत : पाकिस्तानी अधिकारी

ईरान के सैनिकों ने दक्षिण–पश्चिमी क्षेत्र के एक सुदूर इलाके में पाकिस्तानियों के एक समूह को ले जा रहे एक वाहन पर गोलीबारी की जिसमें चार लोगों की मौत हो गई तथा दो अन्य घायल हो गए। पाकिस्तान के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार को बलूचिस्तान प्रांत के सीमावर्ती गांव मश्केल के पास

हुई। सरकारी प्रशासक साहिबजादा असफंद ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि ईरानी सेना ने गोलीबारी क्यों की। स्थानीय पुलिस का कहना है कि चारों लोगों के शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए हैं। तेहरान या पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। दोनों पक्षों के सुरक्षा बल अक्सर इस क्षेत्र में सक्रिय तस्करों और विद्रोहियों को गिरफ्तार करते हैं। जनवरी में पाकिस्तान ने ईरान के अंदर कथित आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर जवाबी हमले किए थे जिसके प्रतिशोध स्वरूप ईरान द्वारा किए गए हमले में कम से कम नौ लोग मारे गए थे।

### सऊदी अरब ने हज से पहले छह पत्रकारों को निष्कासित किया : ईरान

ईरान ने बुधवार को कहा कि सऊदी अरब ने अपने सरकारी टेलीविजन प्रसारक के छह सदस्यों को निष्कासित कर दिया है, जिन्हें हज से पहले देश में लगभग एक सप्ताह तक हिरासत में रखा गया था। सऊदी अरब ने कहा कि ये लोग अपने वीजा का उल्लंघन करके काम कर रहे थे। यह घटना रियाद और तेहरान के बीच चीन की मध्यस्थता से हुए समझौते के एक साल बाद हुई है। हालांकि, देश में पवित्र स्थलों को लेकर दोनों सुन्नी और शिया देशों के बीच दशकों से तनाव रहा है।

ईरानी सरकारी टीवी ने बताया कि गिरफ्तारियां एक हफ्ते पहले शुरू हुईं जब मदीना में पैगंबर मुहम्मद की मस्जिद में कुरान की आयतों की रिकॉर्डिंग करते समय कर्मीदल के तीन सदस्यों को हिरासत में लिया गया। उन्हें हिरासत में लिए जाने के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया, लेकिन कहा कि "कई घंटों की पूछताछ" के बाद उन्हें पुलिस हिरासत में रखा गया। सरकारी टीवी ने कहा इसके दो दिन बाद सऊदी पुलिस ने ईरान के अरबी के अल आलम चौनल के एक पत्रकार और एक अन्य सरकारी टीवी पत्रकार को हिरासत में ले लिया। यह तब हुआ जब वे ईरानी तीर्थयात्रियों के साथ प्रार्थना सेवा में भाग लेने के लिए कार से उतरे थे। एक अन्य रेडियो पत्रकार को मदीना के एक होटल में हिरासत में लिया गया। सरकारी टीवी के अनुसार, छहों व्यक्तियों को बाद में रिहा कर दिया गया और हज का अवसर दिये बिना ईरान निष्कासित कर दिया गया।

### गाजा और मिस्र की सीमा से लगे अहम सामरिक गलियारे पर नियंत्रण स्थापित किया : इजराइली सेना

इजराइली सेना ने बुधवार को कहा कि उसने गाजा की मिस्र से लगती सीमा पर स्थित सामरिक रूप से अहम गलियारे पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है। सेना ने हालांकि, इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी है। फिलाडेल्फी के नाम से जाना जाने वाला यह गलियारा पड़ोसी देश मिस्र की सीमा पर दक्षिणी गाजा शहर रफह के पास है, जहां हाल ही में इजराइली सेनाएं लड़ रही हैं। मिस्र से गाजा में तस्करी करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सुरंगें इसी इलाके में स्थित हैं। सेना ने हालांकि, इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी है।

### उत्तर कोरिया ने पूर्वी जलक्षेत्र में दागी कई मिसाइलें : दक्षिण कोरिया

उत्तर कोरिया ने बृहस्पतिवार को अपने पूर्वी जलक्षेत्र की ओर कई संदिग्ध बैलेस्टिक मिसाइल दागीं। दक्षिण कोरियाई सेना ने यह जानकारी दी। उत्तर कोरिया ने एक सैन्य टोही उपग्रह प्रक्षेपण में असफल होने के एक दिन बाद इस कार्रवाई को अंजाम दिया। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि उत्तर कोरिया ने राजधानी प्योंगयांग के समीप एक इलाके से करीब 10 प्रक्षेपास्त्र दागे, जो कम दूरी की बैलेस्टिक मिसाइल जैसी प्रतीत होती हैं। सेना ने कहा कि इन संदिग्ध मिसाइलों ने उत्तर कोरिया के पूर्वी तट के जलक्षेत्र में गिरने से पहले करीब 350 किलोमीटर की दूरी तय की थी। अधिकारी ने कहा कि दक्षिण कोरियाई सेना ने निगरानी व सतर्कता बढ़ा दी है और अमेरिका व जापान के साथ हर जरूरी सूचना साझा की जा रही है। उत्तर कोरिया के इस कदम के मद्देनजर जापान तटरक्षक ने समुद्री परामर्श जारी किया है जहाजों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने संवाददाताओं से कहा कि ऐसा माना जा रहा है कि संदिग्ध मिसाइलें जापान के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र के बाहर जलक्षेत्र में गिरी और किसी प्रकार के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि तोक्यो उत्तर कोरिया के इस कदम की कड़े शब्दों में निंदा करता है।

# इब्राहिम रायसी की मौत के बाद भी नहीं बदला अमेरिका का स्टैंड, यूएन में श्रद्धांजलि सभा का बहिष्कार

ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी की मौत के बाद भी अमेरिका की उनके प्रति कड़वाहट खत्म नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की तरफ से आज होने वाली इब्राहिम रायसी की श्रद्धांजलि कार्यक्रम का अमेरिका ने बहिष्कार करने का ऐलान किया है। रईसी इस महीने की शुरुआत में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए थे। 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा पारंपरिक रूप से किसी भी वैश्विक नेता को श्रद्धांजलि देने का नियम है, जो मौत के वक्त अपने ही देश के प्रमुख रहे हो। श्रद्धांजलि समारोह में रायसी के बारे में भाषण दिए जाएंगे। एक अमेरिकी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर रॉयटर्स को बताया कि हम किसी भी क्षमता में इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। अमेरिकी बहिष्कार की पहले रिपोर्ट नहीं की गई है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। एक कट्टरपंथी नेता रायसी को ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता था। लेकिन 19 मई को अज़रबैजान सीमा के पास पहाड़ों में खराब मौसम के कारण उनका हेलीकॉप्टर गिरने से मौत हो गई थी। अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को ईरान के लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए, न कि उनके दशकों पुराने उत्पीड़क को याद करना चाहिए। रायसी कई भयानक मानवाधिकारों के हनन में शामिल थे, जिसमें 1988 में हजारों राजनीतिक कैदियों की न्यायेतर हत्याएं भी शामिल थीं। सबसे खराब मानवाधिकारों का हनन, विशेषकर ईरान की महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ रायसी के कार्यकाल के दौरान ही हुआ। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद हेलीकॉप्टर दुर्घटना के पीड़ितों को याद करने के लिए 20 मई को एक असंबद्ध बैठक की शुरुआत में एक क्षण के मौन के लिए खड़ी हुई। संयुक्त राष्ट्र में उप अमेरिकी राजदूत रॉबर्ट वुड अनिच्छा से अपने 14 समकक्षों के साथ खड़े रहे। संयुक्त राज्य अमेरिका ने रायसी

की मौत पर अपनी आधिकारिक संवेदना व्यक्त की थी। विदेश विभाग ने 20 मई को कहा इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह एक ऐसा व्यक्ति था जिसके हाथों पर बहुत सारा खून लगा था। ईरान के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए कांग्रेस के कुछ रिपब्लिकन सदस्यों द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन के प्रशासन की कड़ी आलोचना की गई।

# अमेरिकी छात्रों से कुरान पढ़ने और उसे समझने की अपील

### रईसी की मौत का गम भुला अपने मिशन में जुटे ईरान के सुप्रीम लीडर

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिकी छात्रों से हमास आतंकवादी समूह पर इजरायल के निरंतर हमले के खिलाफ अपने विश्वविद्यालयों में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। खामेनेई ने कुरान से परिचित होने का आह्वान किया। पत्र में फिलिस्तीनियों की रक्षा के लिए सहानुभूति और एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्होंने छात्रों को प्रतिरोध मोर्चे की शाखा के रूप में बताया। खामनेई ने अपने पत्र में कहा कि हम मुसलमानों और पूरी मानवता के लिए कुरान की सीख यह है कि जो सही है उसके लिए खड़ा होना है। इसलिए तुम्हें जो आदेश दिया गया है, उसी के प्रति दृढ़ रहो। मानवीय संबंधों के लिए कुरान की सीख है अत्याचार मत करो और अत्याचार मत सहो। प्रतिरोध मोर्चा इन और ऐसे सैकड़ों अन्य आदेशों की व्यापक समझ और अभ्यास से आगे बढ़ता है और

अल्लाह की अनुमति से जीत हासिल करेगा। मेरी आपको सलाह है कि आप कुरान से परिचित हो जाएं। ईरानी मौलवी और राजनेता ने पश्चिम एशिया के महत्वपूर्ण क्षेत्र के लिए अलग भाग्य का संकेत देते हुए कहा कि इतिहास एक पन्ना बदल रहा है। उन्होंने रेखांकित किया कि परिस्थितियाँ बदल रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि आज परिस्थितियां बदल रही हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया के महत्वपूर्ण क्षेत्र का एक अलग भाग्य इंतजार कर रहा है। वैश्विक स्तर पर लोगों की अंतरात्मा जाग चुकी है और सच्चाई सामने आ रही है। इसके अलावा, प्रतिरोध मोर्चा की ताकत बढ़ी है और यह और भी मजबूत होगा। और इतिहास एक पन्ना पलट रहा है। ईरान की तरफ से ये पत्र इज़राइली हमले के तुरंत बाद आया है जिसमें राफा में 40 से अधिक लोगों की जान चली गई, जिससे सोशल मीडिया पर 'ऑल आइज़ ऑन राफा' अभियान शुरू हो गया।

# ईरान ने सऊदी अरब पर हज से पहले छह पत्रकारों को निष्कासित करने का आरोप लगाया

दुबई। ईरान ने बुधवार को कहा कि सऊदी अरब ने हज से पहले उसके सरकारी टेलीविजन प्रसारणकर्ता की टीम के छह सदस्यों को एक सप्ताह तक हिरासत में रखने के बाद निष्कासित कर दिया है। सऊदी अरब ने घटनाक्रम पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सऊदी अरब और ईरान के बीच चीन की मध्यस्थता में हुए समझौते के एक साल बाद यह घटना हुई है। सऊदी में पवित्र स्थलों को लेकर खासकर हज यात्रा के संबंध में सुन्नी और शिया देशों के बीच दशकों से तनाव रहा है। ईरानी सरकारी टीवी ने बताया कि गिरफ्तारियां एक हफ्ते पहले शुरू हुई थीं, जब मदीना में पैगम्बर मुहम्मद की मस्जिद में कुरान पढ़ने की रिकॉर्डिंग करते समय उसकी टीम के तीन सदस्यों को हिरासत में लिया गया था। ईरानी टीवी ने इस बारे में कोई विवरण नहीं दिया कि उसके सदस्यों को हिरासत में क्यों लिया गया, लेकिन कहा कि ''कई घंटों की पूछताछ'' के बाद उन्हें पुलिस हिरासत केंद्र में रखा गया। इसके दो दिन बाद, सऊदी पुलिस ने ईरान के अरबी के अल आलम चौनल के एक पत्रकार और एक अन्य सरकारी टीवी चौनल के पत्रकार को हिरासत में ले लिया, जब वे ईरानी श्रद्धालुओं के साथ नमाज में शामिल होने के लिए कार से उतरे थे। एक अन्य रेडियो पत्रकार को मदीना के एक होटल में हिरासत में लिया गया। ईरानी टीवी ने बताया कि उसकी टीम के छह सदस्यों को बाद में रिहा कर दिया गया और हज में शामिल होने का अवसर दिए बिना ईरान भेज दिया गया। सरकारी टीवी और ईरान के विदेश मंत्रालय द्वारा

उनकी रिहाई के प्रयासों के बाद यह निष्कासन हुआ। ईरान के सरकारी प्रसारक 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग' के प्रमुख पेमन जेबेली ने कहा, ''जब यह घटना हुई, तब वे (कर्मी) अपना सामान्य और नियमित कार्य कर रहे थे और उन्हें गिरफ़्तार कर लिया गया। हमें नहीं पता कि उन्हें क्यों गिरफ्तार किया गया और देश वापस क्यों भेजा गया।'' दुनिया के सबसे बड़े शिया मुस्लिम देश ईरान और सुन्नी आबादी वाले देश सऊदी अरब ने 2016 में सऊदी अरब द्वारा शिया धर्मगुरु निम्र अल–निम्र को फांसी दिए जाने के बाद राजनयिक संबंध तोड़ लिए थे। फांसी के विरोध में ईरान में प्रदर्शनकारियों ने अपने देश में सऊदी के दो राजनयिक मिशन पर धावा बोल दिया था।

# एवरेस्ट पर्वत शिखर पर बढ़ते हुए कचरे को लेकर शेरपा ने जताई चिंता

काठमांडू। एवरेस्ट पर्वत के महानतम गाइड में एक शेरपा गाइड कामी रीता ने दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत शिखर पर बढ़ते हुए कचरे को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने एवरेस्ट दिवस पर नेपाल सरकार द्वारा सम्मानित किये जाने पर अपने संबोधन में यह चिंता जतायी। एवरेस्ट पर्वत शिखर पर रिकॉर्ड 30 बार चढ़ाई करने वाले शेरपा गाइड कामी रीता को नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल ने बुधवार को यहां एवरेस्ट दिवस पर सम्मानित किया। आज ही के दिन 29 मई, 1953 को न्यूजीलैंड के पर्वतारोही एडमंड हिलेरी और नेपाली शेरपा तेनजिंग नॉर्गे ने पहली बार एवरेस्ट पर्वत शिखर पर पहुंचने में कामयाबी हासिल की थी। कामी रीता ने अपने संबोधन में कहा कि वह जमा हो रहे कचरे से बहुत चिंतित हैं। उन्होंने कहा, ''इस ओर तत्काल हमें ध्यान देना बहुत जरूरी है।'' कामी रीता ने कहा कि एवरेस्ट दिवस वास्तव में सरकार द्वारा पर्वत शिखर के निकट स्थित शिविरों की सफाई के लिए अभियान चलाकर मनाया जाना चाहिए। एवरेस्ट पर्वत शिखर पर लगभग हर साल सफाई अभियान चलाए जाते हैं। नेपाली सैनिकों की एक टीम अभी भी एवरेस्ट पर मौजूद है और पिछले अभियानों के दौरान छोड़े गए कचरे को उठा रही है। कामी रीता ने कहा, ''फिलहाल, शिविर तीन अथवा चार से पर्याप्त मात्रा में कचरा बाहर नहीं निकाला गया है। सफाई अभियान चलाए गए थे, लेकिन वे सभी शिविर दो या उससे नीचे के लिए थे।'' कामी रीता ने कहा कि एवरेस्ट पर्वत पर काम करने वाले शेरपा गाइडों को बेहतर परिस्थितियां और फायदे मिलने चाहिए।

### कारगिल युद्ध पर पाकिस्तान ने खोला 25 साल पुराना राज, भारतीय विदेश मंत्रालय की आई पहली प्रतिक्रिया

पाकिस्तान के लाहौर समझौते का उल्लंघन करने संबंधी पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की टिप्पणी पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने गौर किया है कि पाकिस्तान में एक निष्पक्ष दृष्टिकोण उभर रहा है। लाहौर घोषणा पत्र पर नवाज शरीफ की टिप्पणी पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि आप इस मुद्दे पर हमारी स्थिति से अवगत हैं। हमने देखा है कि पाकिस्तान में भी वास्तविकता पर आधारित नजरिया सामने आ रहा है। नवाज शरीफ को पाकिस्तान को परमाणु

ताकत बनाने का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने अपने सबसे बड़े दिन पर अपनी सबसे बड़ी गलती कबूल कर ली है। नवाज शरीफ ने कबूल किया कि 1999 में इस्लामाबाद ने समझौते का उल्लंघन हुआ। नवाज शरीफ ने ये भी माना कि पाकिस्तान की ये गलती थी। बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने स्वीकार किया कि इस्लामाबाद ने भारत के साथ 1999 में उनके और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा हस्ताक्षरित समझौते का 'उल्लंघन' किया है। उन्होंने जनरल परवेज मुशर्रफ द्वारा करगिल में किए गए हमले के स्पष्ट संदर्भ में यह बात कही। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) का अध्यक्ष चुने जाने के बाद पार्टी की आम परिषद को संबोधित करते हुए शरीफ ने कहा कि 28 मई 1998 को पाकिस्तान ने पांच परमाणु परीक्षण किये। नवाज को ये भी लगता है कि भारत से संबंध सुधारकर ही पाकिस्तान के अच्छे दिन आ पाएंगे। नवाज शरीफ ने इस बात के संकेत भी दे दिए कि शहबाज शरीफ की अगुवाई वाली सरकार भारत में नई सरकार के गठन के बाद फिर से संबंध सुधारने की तैयारी कर रही है। नवाज शरीफ कह रहे हैं कि जो काम 1998 में वो नहीं कर पाए उसे शहबाज शरीफ 2024 में करके दिखाएंगे। यानी भारत से संबंधों को सुधारेंगे।

### गाजा के राफा में इजरायली हमलों में 37 फिलिस्तीनी मारे गए, कमला हैरिस ने हमले की निंदा की

इजरायली गोलाबारी और हवाई हमलों ने 37 और फिलिस्तीनियों की जान ले ली, जिनमें से ज्यादातर रात भर और मंगलवार को दक्षिणी शहर राफा के बाहर तंबू में शरण लिए हुए थे, इसके एक हमले के कुछ दिनों बाद। एक तंबू शिविर में आग लगने और उसमें मौजूद 45 फ़िलिस्तीनियों की मौत की वैश्विक निंदा हुई। विश्व नेताओं द्वारा हमले की निंदा करने के बाद इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने टेंट कैंप में लगी आग को गलती करार दिया। रफ़ा पर अपने आक्रमण को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की अपील को खारिज करते हुए, इजरायली टैंक भारी बमबारी की एक रात के बाद पहली बार रफ़ा के केंद्र की ओर बढ़े, जबकि स्पेन, आयरलैंड और नॉर्वे ने आधिकारिक तौर पर एक फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता दी, जो एक और कदम था। इसराइल का अंतर्राष्ट्रीय अलगाव गहरा गया। फ़िलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा और फ़िलिस्तीनी रेड क्रिसेंट ने कहा कि रफ़ा के पश्चिमी तेल अल–सुल्तान जिले में सोमवार और मंगलवार देर रात गोलाबारी में कम से कम 16 लोग मारे गए।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।